केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

12 मार्च 2025

बुधवार

राज्य में अपराध बेलगाम, लगातार हो रही हैं आपराधिक घटनाएं: राजद

2

बिहार पुलिस में 19838 पदों पर होगी बहाली

- 18 मार्च से 18 अप्रैल तक किए जा सकेंगे भर्ती के लिए आवेदन
- 6 हजार से अधिक पद महिलाओं के लिए आरक्षित

केटी न्यूज/पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सरकारी नौकरी का अच्छा मौका है। बिहार पुलिस में 19,838 सिपाही भर्ती की जानी है। 6 हजार से अधिक पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। सीएसबीसी के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ने बताया कि बिहार पुलिस भर्ती के लिए आवेदन 18 मार्च से 18 अप्रैल तक होंगे। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। उम्मीदवार केंद्रीय चयन बोर्ड कांस्टेबल, बिहार (सीएसबीसी) की आधिकारिक वेबसाइट csbc.bihar.gov.in पर जाकर इस अधिसूचना को देख व पढ़ सकते हैं और उसे डाउनलोड भी कर सकते हैं।

सीएसबीसी के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सिपाही भर्ती-2025 की प्रक्रिया और जरूरी शर्तों से अवगत कराया। कहा, इच्छुक छात्र 18 मार्च 2025 से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। 18 अप्रैल 2025 इसके लिए अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। 6717 पद महिला अभ्यर्थियों से भरे जाएंगे। केंद्रीय चयन परिषद द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार, अभ्यर्थी एक महीने (18 मार्च से 18 अप्रैल) तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। 19,838 नए पदों में 7935 पद अनारक्षित हैं। इन पदों पर किसी वर्ग के अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे। अनारक्षित वर्ग के 7935 पदों में से 2777 पद महिलाओं के लिए रिजर्व हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (इडब्लूएस) के लिए 1983 सीट रिजर्व हैं। इनमें 694 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती 2025 प्रक्रिया को नोटिफिकेशन केंद्रीय चयन परिषद ने जारी कर दिया है। अभ्यर्थी कान्स्टेबल भर्ती की प्रक्रिया से जुड़ी अधिक जानकारी परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अभ्यर्थी देख सकते हैं।

तनिष्क शोरूम में 25 नहीं 10 करोड़ की हुई थी लूट

- शोरूम मैनेजर के 25 करोड़ के लूट का दावा गलत साबित हुआ
- गिरफ्तार अपराधियों से हो रही पूछताछ

केटी न्यूज/आरा

आरा में सोमवार को हुए तनिष्क शोरूम लूट मामला का उद्भेदन पुलिस ने कर लिया है। शोरूम मैनेजर के 25 करोड़ के लूट का दावा गलत साबित हुआ। दिनदहाड़े हुई इस लूट में कुल 10 करोड़ 9 लाख के ज्वेलरी की लूट हुई है। भोजपुर एसपी श्री राज ने इसका खुलासा किया है। उन्होने बताया कि आरा के नगर थाना के गोपाली चौक के पास तनिष्क के शोरूम में लूट की घटना हुई थी। इसमें पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है जो दिघवारा, सारण निवासी भुवनेश्वर प्रसाद का बेटा विशाल गुप्ता और सेमरा, सोनपुर निवासी प्रदीप राय का बेटा कुणाल कुमार के साथ दो पिस्टल, 10 कारतूस एक पल्सर बाइक सोने के जेवरात से भरे दो झोला को बरामद किया गया है। गिरफ्तारी के क्रम में अभियुक्त की तरफ से पुलिस पर हमला किया गया था जिसमें आत्म सुरक्षा को लेकर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें वह लोग घायल हो गए दोनों का इलाज चल रहा है। उनके पास से दो पिस्टल, पांच गोली तीन झोला जो सीसीटीवी में दिख रहा, उसमें से उसमें से दो झोला को पुलिस ने बरामद कर लिया है। इसका आकलन भी कर लिया गया है और एफआईआर भी दर्ज कर लिया गया है।

लूटे गए जेवरात में से 70 फीसद बरामद कर लिया गया है। लूट में 6 अपराधी शामिल थे। गिरफ्तार अपराधियों से कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली है जिससे अभी बताया नहीं जा सकता है इससे अनुसंधान पर असर पड़ेगा। आरा शहर के बीचोबीच स्थित तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में सोमवार दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों ने पूरी दुकान को लूट लिया। करीब 20 मिनट तक शोरूम के अंदर आतंक मचाते हुए लुटेरे एक-एक स्टॉल से ज्वेलरी समेटते रहे।

खबरें फटाफट

संभल में जहरीला इंजेक्शन लगा बीजेपी नेता की हत्या

संभल। यूपी के संभल में घर के बाहर बदमाशों ने जहरीला इंजेक्शन लगाकर बीजेपी नेता की हत्या कर दी। तीन अज्ञात बदमाश बाइक से आए थे, उन्होंने कथित तौर पर भाजपा नेता के पेट में जहरीला इंजेक्शन लगाया, जिसके बाद तड़पकर उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, उप्र के संभल जिले के जूनावई थाना क्षेत्र में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता गुलफाम सिंह को बाइक से आए तीन अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर जहरीला इंजेक्शन लगा दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। मामले में गुन्नौर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) दीपक तिवारी ने बताया कि गुलफाम सिंह यादव (60) जुनावई थाना क्षेत्र के दफ्तरा गांव में अपने घर में बैठे हुए थे, तभी तीन अज्ञात लोग बाइक से आए और उन्हें इंजेक्शन लगाकर भाग गए। तिवारी के अनुसार, हालत बिगड़ने पर यादव को इलाज के लिए अलीगढ़ ले जाया जा रहा था, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। तिवारी के मुताबिक, यादव के परिवार की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है, लेकिन मामले की जांच के लिए पुलिस की टीम लगा दी गई है। बता दें कि यादव ने भाजपा के टिकट पर उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव लड़ा था।

दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंचे भारत के प्रधानमंत्री मोदी, बोले...

मॉरीशस की मिट्टी में कितने ही भारतीयों का, हमारे पुरखों का खून पसीना मिला है

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रांड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन' से सम्मानित

एजेंसी/नई दिल्ली

मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रांड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन' से सम्मानित किया। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके योगदान के लिए दिया गया है। मोदी इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं। यह 21वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है जो प्रधानमंत्री मोदी को किसी अन्य देश द्वारा दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मॉरीशस के राष्ट्रपति धरम गोखूल से मुलाकात की और उन्हें महाकुंभ से गंगाजल भेंट किया। दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर मंगलवार सुबह मॉरीशस पहुंचे मोदी ने गोखूल को कई अन्य उपहार भी दिए। राष्ट्रपति गोखूल से मुलाकात से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने सर शिवसागर रामगुलाम बॉटनिकल गार्डन में एक पौधा लगाया।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति को भेंट किया पवित्र गंगा जल

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति गोखूल को प्रयागराज त्रिवेणी संगम का पवित्र गंगा जल, बिहार का सुपरफूड मखाना, भगवान गणेश की मूर्ति और बनारस की मशहूर बनारसी साड़ी भेंट की। पवित्र गंगाजल से भरा पीतल का पात्र सौंपते हुए पीएम मोदी ने बताया कि ये गंगाजल औभ भी खास इसलिए क्योंकि ये जल प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान गंगा नदी से लिया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति गोखूल को भगवान गणेश की एक हस्तनिर्मित मूर्ति भेंट की। ज्ञान के देवता और बाधाओं को दूर करने वाले माने जाने वाले, यह उत्कृष्ट मूर्ति भारत की शिल्पकला की प्रतिष्ठित परंपरा का प्रतीक है। जो समृद्धि और नई शुरूआत का आशीर्वाद देती है। पीएम मोदी ने मखाना की खासियत बताई और बोले मैं हर दिन इसे खाता हूं।

पीएम बोले... यहां आकर लगता है अपनों के बीच आया हूं

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां आकर लगता है अपनों के बीच आया हूं। मॉरीशस का सर्वोच्च सम्मान विनम्रता से स्वीकार है। दोनों देशों के बीच रिश्तों की मिठास बढ़ती जा रही है। पोर्ट लुईस में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-मॉरीशस का साझा इतिहास है। मॉरीशस के अनेक परिवार अभी-अभी महाकुंभ में भी होकर आए हैं। दुनिया को आश्चर्य हो रहा है। मानव इतिहास का ये विश्व का सबसे बड़ा समागम था। 65-66 करोड़ लोग इसमें पहुंचे थे। भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मॉरीशस के लोगों ने, यहां की सरकार ने मुझे अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने का फैसला लिया है। मैं आपके निर्णय को विनम्रता से स्वीकार करता हूं। ये भारत और मॉरीशस के ऐतिहासिक रिश्तों का सम्मान है। ये उन भारतीयों का सम्मान है जिन्होंने पीढ़ी दर पीढ़ी इस धरती की खूब सेवा की। पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब भी मॉरीशस आता हूं तो लगता है कि अपनों के बीच ही आया हूं। यहां की मिट्टी में कितने ही हिन्दुस्तानियों का, हमारे पुरखों का खून पसीना मिला हुआ है। हम सब एक परिवार ही तो हैं। एक समय बिहार दुनिया की समृद्धि का केंद्र था। अब हम मिलकर बिहार का गौरव फिर से वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के साथ आपका भावुक संबंध भी मैं समझता हूं।

झारखंड का कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू एनकाउंटर में ढेर

रायपुर से रांची लाने के दौरान मुठभेड़ में हुई मौत

- रांची के ठाकुरगांव के मतबे गांव के रहने वाले अमन साहू पर रंगदारी, हत्या, एक्सटॉर्शन सहित 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं

एजेंसी/रायपुर/रांची

झारखंड का कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू एनकाउंटर में मारा गया। घटना मंगलवार की सुबह पलामू में हुई, जब कुख्यात को रांची पुलिस की टीम रायपुर से पूछताछ के लिए रिमांड पर रांची ला रही थी। इसी दौरान पुलिस की गाड़ी का पलामू में एक्सिडेंट हो गया। जानकारी अनुसार मौके का फायदा उठाकर अमन पुलिस का हथियार छीनकर भागने लगा। पुलिस ने जब उसे रोकने की कोशिश की तो उसने पुलिस पर उन्हीं के हथियार से फायरिंग कर दी। ऐसे में पुलिस की टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की गोली लगने से उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार रांची के ठाकुरगांव के मतबे गांव के रहने वाले अमन साहू पर झारखंड में रंगदारी, हत्या, एक्सटॉर्शन सहित 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वो एक समय में हार्डकोर नक्सली भी था। उसने साल 2013 में अपना गैंग बनाया था। वो सोशल मीडिया पर भी एक्टिव था। बता दें कि झारखंड पुलिस अमन को रांची में कोयला कारोबारी पर फायरिंग के मामले में पूछताछ के लिए रायपुर की सेंट्रल जेल से रांची ला रही थी। झारखंड से जुडे. मामलों में दरअसल, सात मार्च को रांची के कोयला कारोबारी बिपिन मिश्रा की कार पर तबाड़तोड़ फायरिंग की गई थी। हमले में विपिन मिश्रा और उनके ड्राइवर को गोली लगी थी। हमले में वे बाल-बाल बच गए थे और जान बचाकर मौके पर से भाग गए थे। इस घटना में अमन साहू और उसकी गैंग का नाम सामने आया था। ऐसे में उसे पूछताछ के लिए रांची लाया जा रहा था। हालांकि, वो पलामू में पुलिस की गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद भागने लगा। ऐसे में पुलिस ने उसे ढेर कर दिया।

बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान की एक ट्रेन को किया हाईजैक, 20 सैनिकों की हत्या

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मंगलवार को बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान की एक ट्रेन को हाईजैक कर लिया। हाईजैक किए गए ट्रेन का नाम जफर एक्सप्रेस है। जानकारी के मुताबिक इस ट्रेन में 182 यात्रियों को बलूच लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए ने बंधक बनाया हुआ है। वहीं बीएलए ने ये भी दावा किया है कि अब तक उन्होंने 20 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, बीएलए ने ट्रेन पर सवार 20 सैनिकों को मार दिया है। बीएलए ने चेतावनी दी है कि अगर उनके खिलाफ हो रहे हवाई हमले नहीं रुके तो अगले एक घंटे के भीतर वो सभी बंधकों को मार देंगे।

जानकारी के अनुसार ट्रेन सुबह 9 बजे क्वेटा से रवाना हुई थी। ट्रेन सुरंग नंबर 8 में जैसे ही पहुंची तो ट्रैक पर धमाका हो गया। ट्रेन रुक गई और हमलावरों ने ट्रेन के इंजन पर फायरिंग की और इसमें ड्राइवर जख्मी हो गया। जाफर एक्सप्रेस क्वेटा से पेशावर के बीच हर रोज चलती है। यह एक यात्री ट्रेन है। ये ट्रेन रोहरी-चमन रेलवे लाइन और कराची-पेशावर रेलवे लाइन के एक हिस्से के साथ यात्रा करते हुए, 1,632 किलोमीटर (1,014 मील) की दूरी तय करती है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने चेतावनी दी है कि अगर किसी तरह की कार्रवाई की जाती है तो सभी को मार दिया जाएगा।

रेपिस्टों को सजा के तौर पर खुलेआम नपुंसक बना देना चाहिए: राज्यपाल

एजेंसी/भरतपुर

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे दुष्कर्मियों पर दिए अपने एक बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। राजस्थान के गवर्नर ने रेपिस्टों को सजा के तौर पर कहा कि खुलेआम ऐसे लोगों को नपुंसक बना देना चाहिए ताकि अन्य लोग भी ऐसे जघन्य अपराध करने से बचें।

राज्यपाल हरिभाऊ ने भरतपुर के महात्मा गांधी पशु चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित जिला बार संघ के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति महिलाओं और बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी घिनौनी करतूत करता है, उसके खिलाफ ऐसा कानून बनना चाहिए जिसमें उसे तुरंत नपुंसक बना देना चाहिए। हरिभाऊ बागडे ने कहा कि उन्हें ऐसे ही जीना होगा और जब दूसरे उन्हें देखेंगे तो उन्हें याद आएगा कि वह दुष्कर्मी व्यक्ति था। ऐसे अपराधियों पर अगर लगाम नहीं लगाई गई तो ये समाज के लिए खतरा बन जाएंगे।

राज्यसभा में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर बवाल

क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे, सरकार को ठोकेंगे

एजेंसी/नई दिल्ली

राज्यसभा में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक बयान चर्चा में आ चुका है। जब लगातार चेयर की तरफ से उन्हें बोलने से रोका गया, खड़गे ने गुस्से में कह दिया कि क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे। सरकार को ठोकेंगे। खड़गे ने आरोप लगाया कि यहां पर तानाशाही चल रही है, किसी को भी बोलने नहीं दिया जा रहा। लेकिन खड़गे का ठोक देंगे कहना बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को रास नहीं आया। उन्होंने राज्यसभा में ही इस मुद्दे को उठाया और खड़गे से माफी मांगने के लिए कहा।

जेपी नड्डा ने सख्त लहजे में बोला कि ये तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, वर्तमना नेता विपक्ष जिनका संसद में इतना लंब अनुभव है, उन्होंने इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है। ये पूरी निंदनीय है, चेयर के प्रति ऐसा शब्द का इस्तेमाल होना, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। फिर भी एलओपी को माफी तो मांगनी ही चाहिए, उन्हें अपने शब्द को वापस लेना चाहिए।

खड़गे ने सफाई पेश की, बोले- मैं माफी चाहता हूं

अब जब इस मुद्दे पर विवाद ज्यादा बढ़ा तो मल्लिकार्जुन खड़गे ने सफाई पेश की। उन्होंने कहा कि मैं माफी चाहता हूं, मैंने आपके लिए कुछ नहीं बोला था, सरकार के लिए बोल रहा था। अगर मेरी बातों का बुरा लगा या ठेस पहुंची, मैं माफी चाहता हूं। लेकिन खड़गे की यह सफाई जेपी नड्डा को रास नहीं आई, उन्होंने फिर पलटवार करते हुए कहा कि अगर सरकार के लिए भी उनकी तरफ से ऐसे शब्दों का इस्तेमाल हुआ, इसे भी स्वीकार नहीं किया जा सकता, यह भी निंदनीय ही है।

इस बार सदन में कई दूसरे मुद्दों पर भी चर्चा हुई है। लोकसभा में राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा था कि आपने बिल्कुल सही कहा कि सरकार नहीं बनाती, यह बात हम भी जानते हैं। लेकिन इस समय पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे हैं. खासतौर पर विपक्ष शासित राज्यों से शिकायतें ज्यादा हैं, महाराष्ट्र में तो साफ-साफ सवाल उठे हैं, ऐसे में पूरा विपक्ष सिर्फ चाहता है कि इस मुद्दे पर चर्चा हो जानी चाहिए।

महागठबंधन के दलों में दरार, अलग-अलग लड़ेंगे चुनाव: चिराग

♦ देश संविधान के आधार पर चलेगा, लेकिन कुछ राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेंकने के लिए इस मुद्दे को तूल देते हैं

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को कहा कि आने वाले दिनों में राजद और कांग्रेस अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे। पटना एयरपोर्ट पर बाबा बागेश्वर के भारत को हिंदू राष्ट्र बनाए जाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है। उन्होंने कहा कि देश संविधान के आधार पर चलेगा, लेकिन कुछ राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेंकने के लिए इस मुद्दे को तूल देते हैं। कुछ दल बाबा के बिहार आने पर ही विरोध करने लगते हैं। जबकि, अन्य धर्मों के प्रचार को लेकर ये चुप रहते हैं। औरंगजेब से तुलना करना गलत है। औरंगजेब को लेकर चल रहे विवाद पर चिराग ने कहा कि क्रूर शासकों की तुलना करना ठीक नहीं है। उन्होंने साफ किया कि जो लोग औरंगजेब का समर्थन कर तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं, मैं उसका समर्थन नहीं करता। हिंदू शासकों की तुलना ऐसे मुगल शासकों से करना गलत है, जिनका इतिहास क्रूरता से भरा हुआ है। भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल के होली से जुड़े बयान पर तेजस्वी यादव के बिहार किसी के बाप का नहीं वाले बयान पर चिराग ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह मानते हैं कि बिहार सिर्फ उनके परिवार का है। बिहार सभी का है, हिंदू त्योहारों को मिलजुलकर मनाने की परंपरा रही है। लेकिन कुछ लोग धार्मिक संतुलन बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

राजद का भय आज भी दिखता है

कांग्रेस की प्रस्तावित पलायन रोक यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए चिराग ने कहा कि बिहार में सबसे ज्यादा पलायन 90 के दशक में हुआ था, जो कांग्रेस और राजद के शासनकाल का दौर था। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा, महागठबंधन का स्वरूप विधानसभा चुनाव तक बदल जाएगा। राजद और कांग्रेस अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे। चिराग पासवान ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए के सभी दल आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। यह एनडीए के पांच दलों का विनिंग कॉम्बिनेशन है। चिराग ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के दिशा निर्देशन में इस बार एनडीए गठबंधन बिहार में 225 से अधिक सीटें जीतेगा। चिराग पासवान ने राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि दिन में सपने देखने का अधिकार हर किसी को है। आरजेडी के शासनकाल का भय आज भी बिहार के लोगों में है। बिहार का कोई भी पढ़ा-लिखा युवा या समाज के सभी वर्गों के लोग अब उस दौर को दोबारा नहीं लाना चाहते हैं। आज भी अगर बिहार के लोग रोजगार व बेहतर अवसर के लिए राज्य से बाहर पलायन करते हैं।

सात निश्चय और सात निश्चय-2 में बक्सर को बिहार में पहला स्थान

केटी न्यूज/पटना

बिहार विकास मिशन द्वारा जनवरी 2025 के लिए सात निश्चय और सात निश्चय-2 योजनाओं की प्रगति के आधार पर जारी रैंकिंग में बक्सर जिला ने 89.54 अंकों के साथ प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस रैंकिंग के लिए सात निश्चय और सात निश्चय-2 के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया। इसमें जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र, जल संसाधन विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, नगर परिषद, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग और लोक स्वास्थ्य प्रमंडल की योजनाओं को शामिल किया गया।

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं कुशल युवा कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। वहीं, हर खेत तक सिंचाई का पानी योजना के तहत सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया है। नगर परिषद द्वारा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन और हर घर नल का जल (शहरी) योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है।

आरा में हुई बड़ी लूट मामले में राजद ने विधान परिषद में सरकार को घेरा

राज्य में अपराध बेलगाम, लगातार हो रही हैं आपराधिक घटनाएं: राजद

केटी न्यूज/पटना

आरा में हुई 25 करोड़ की लूट को लेकर मंगलवार को बिहार विधान परिषद के बाहर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। राबड़ी देवी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल के विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। विपक्षी नेताओं ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर यही रामराज है, तो बिहार की जनता को ऐसा रामराज नहीं चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अपराध बेलगाम हो चुका है– दिनदहाड़े लूट, हत्या और डकैती जैसी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सरकार सिर्फ दावे कर रही है।

आरा में हुई 25 करोड़ की लूट : बता दें कि, बीते दिन आरा में 25 करोड़ की लूट की घटना को अंजाम दिया था। 7 से 8 की संख्या में आए अपराधियों ने हथियार के बल पर 25 करोड़ के हीरे और सोने के जेवरात लूट लिए थे। इस घटना के बाद राजधानी पटना तक हड़कंप मच गया। शोरूम में हुई लूट को लेकर स्टोर मैनेजर ने बताया कि 25 करोड़ के गहने और रुपए की लूट हुई है। जिसमें हीरे के गहने भी शामिल हैं। इसके अलावा चूड़ियां, चेन की भी चोरी हुई है। स्टोर मैनेजर ने इस घटना के लिए प्रशासन को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि मार्निंग के समय में यह घटना हुई है। इसलिए यह भी नहीं कह सकते कि भीड़ भाड़ था। लेकिन इसके बाद भी पुलिस प्रशासन से समय पर मदद नहीं मिली।

विपक्ष का भारी हंगामा : राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि बिहार में दिनदहाड़े 25-25 करोड़ की लूट हो रही है और सरकार रामराज की बात कर रही है। अगर यही रामराज है, तो इसका कोई मतलब नहीं। सरकार को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। राजद ने बिहार में क्राइम के बढ़ते ग्राफ को लेकर बड़ा हमला बोला है।

हथियार के बल पर बड़ी लूट : वहीं शोरूम की सेल्स गर्ल ने पूरी घटना के बारे में विस्तार से बताया कि लगभग 10.30 के करीब 10 की संख्या में लुटेरे शोरूम में पहुंचे थे। सभी के पास दो पिस्तौल थे। जैसे ही उन्होंने गार्ड को पिटने के बाद अंदर घुसने की कोशिश की। मैंने पुलिस को फोन कर इसकी जानकारी दी। लेकिन कई बार कल करने के बाद भी पुलिस की तरफ से सही रिस्पांस नहीं मिला। हर बार कहा गया कि हमारी गाड़ी पहुंच रही है। वहीं इस दौरान लुटेरों ने हमलोगों के फोन छीन लिए और सिर पर पिस्तौल तान दिया और सब कुछ निकालने के लिए कहा। लुटेरों के जाने के बाद पुलिस पहुंची। इस घटना को लेकर अब विधान परिषद में बवाल जारी है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि घूसखोरी पर अंकुश लगाए फिर सत्ता छोड़कर बाहर चली जाए। वहीं बीजेपी विधायक हरीभूषण सिंह बचौल के बयान पर उन्होंने कहा कि हमारा संविधान सांप्रदायिक सौहार्द पर आधारित है, जो चार मजबूत पाया है उसमें एक सेक्यूलरिजम ही है। उन्माद की राजनीतिक करने वाले लोग इस तरह की बात कर रहे हैं। आरजेडी के वरिष्ठ एमएलसी अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि बिहार में हर स्तर पर भ्रष्टाचार की प्रकाष्ठा है। इस राज्य में जितनी घूसखोरी बढ़ी है उसकी कल्पना भी कोई नहीं कर सकता है भ्रष्टाचार, मारपीट और कानून व्यवस्था का बुरा हाल है।

सचिवालय में क्लर्क की मौत के बाद हंगामा

पटना। पटना के नई सचिवालय स्थित पंचायती राज विभाग में तैनात निम्न वर्गीय लिपिक राज कमल रजक की मौत मंगलवार को हो गई। उनकी मौत का कारण ब्रेक हेमरेज बताया जा रहा है। घटना के बाद सभी कर्मचारियों ने सचिवालय परिसर में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। सचिवालय के कर्मचारियों का आरोप है कि विभागीय अधिकारियों लगातार रामकमल को प्रताड़ित करते थे। इसी कारण तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कर्मचारियों के अनुसार एक साल पहले उनकी शादी हुई थी। तीन माह की बच्ची है। कर्मचारियों का आरोप है कि राजकमल रजक को रविवार की छुट्टी तक नसीब नहीं होती थी। बेटी के जन्म पर भी विभाग से छुट्टी नहीं दी गई। इतना ही नहीं अधिकारियों द्वारा एक महीने में 24 बार कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

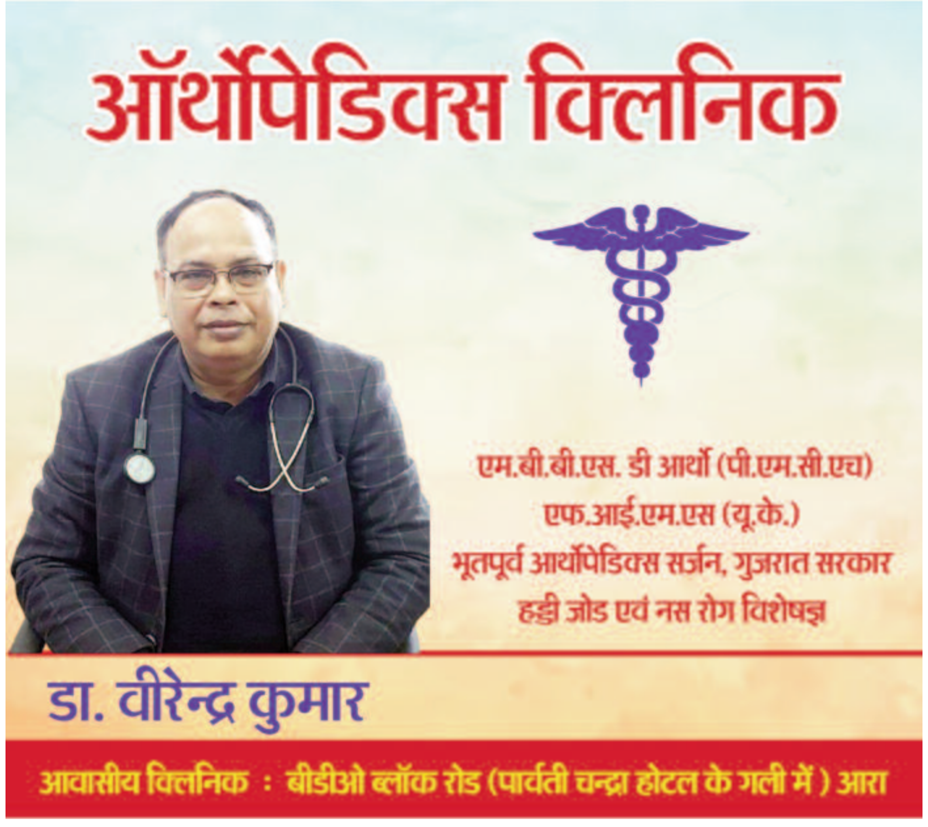

युवक की निर्मम हत्या, अपराधियों ने प्राइवेट पार्ट काट डाला

मधेपुरा। जिले के आलमनगर प्रखंड के रतवारा थाना क्षेत्र के मैनिया बासा ठाकुरबाड़ी बासा बहियार में मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मकई के खेत में पड़ा मिला। उसकी हालत इतनी भयावह थी कि मौके पर मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। स्थानीय लोगों ने सुबह खेत में शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। युवक की बेरहमी से हत्या की गई थी। उसका गला रेत दिया गया था, शरीर पर कई जगह गहरे जख्म थे और शरीर पर केवल अंडरवियर था। इतना ही नहीं युवक के प्राइवेट पार्ट को भी आधा काट दिया गया था। स्थानीय लोगों ने भी मृतक को पहचानने से इनकार कर दिया है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि युवक किसी अन्य इलाके का हो सकता है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

बेतिया में अतिक्रमित भूमि का निरीक्षण कर सख्त हुए केके पाठक, कहा- जल्द करें कार्रवाई

केटी न्यूज/बेतिया

बेतिया में राजस्व परिषद के अध्यक्ष केके पाठक ने मंगलवार को अतिक्रमित भूमि का निरीक्षण किया और अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि राजकीय भूमि पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रशासन जल्द ही इस पर सख्त कार्रवाई करेगा।

हजारी पशु मेला ग्राउंड बनेगा आधुनिक टाउनशिप : निरीक्षण के दौरान केके पाठक ने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत हजारी पशु मेला ग्राउंड को एक आधुनिक टाउनशिप में विकसित किया जाएगा। इस टाउनशिप में शैक्षणिक संस्थानों और खेल सुविधाओं को विशेष रूप से शामिल किया जाएगा, जिससे बेतिया और आसपास के इलाकों के लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल सकें।

स्थानीय लोगों में खुशी की लहर : राजस्व परिषद अध्यक्ष की इस पहल से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। लोगों को उम्मीद है कि बेतिया में विकास की एक नई रफ्तार देखने को मिलेगी। इस योजना के तहत शिक्षा, खेल और आधारभूत संरचनाओं के विस्तार से क्षेत्र में रोजगार और सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। केके पाठक ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जिन लोगों ने बेतिया राज की भूमि पर अवैध कब्जा किए हैं, वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लें, तो बेहतर होगा। वरना प्रशासन अपने स्तर पर सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना किसी देरी के अतिक्रमण हटाया जाए और भूमि को विकास कार्यों के लिए खाली किया जाए।

खगड़िया में पैक्स अध्यक्ष वरुण कुमार सिंह की हत्या के मामले में आया नया मोड़

यूपीआई ट्रांजेक्शन मामले में बुरा फंसा निलंबित एसआई

केटी न्यूज/पटना

खगड़िया में पैक्स अध्यक्ष वरुण कुमार सिंह की हत्या के मामले में एक नया और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। महेश खूंट थाना के निलंबित एसआई देवेंद्र कुमार की मुश्किलें अब और बढ़ती नजर आ रही हैं। हत्या के आरोपी नीरज कुमार के जब्त मोबाइल से एक लाख रुपये के यूपीआई ट्रांजेक्शन का मामला सामने आने के बाद एसआई की वर्दी भी छिन सकती है। इस लेन-देन की गंभीरता से जांच के लिए पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार के निर्देश पर स्पेशल टीम गठित कर दी गई है।

हत्या आरोपी को लॉकअप में मोबाइल देना बना जांच का केंद्र : मामले की पड़ताल में यह सामने आया है कि नीरज कुमार को जब चार जनवरी को जेल भेजने की प्रक्रिया चल रही थी। उससे ठीक पहले लॉकअप के अंदर ही उसे जब्त मोबाइल फोन उपलब्ध करा दिया गया। इस मोबाइल से दोपहर 12:02 बजे आरोपी ने एक लाख रुपये अपने पिता के खाते में ट्रांसफर किया। इसके बाद उसके पिता ने वह पैसा अपनी बहू (नीरज की पत्नी) के खाते में ट्रांसफर कर दिया। यह घटना न केवल पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि हिरासत में रहते हुए आरोपी को विशेष सुविधा देने के पीछे कोई बड़ा सौदा हुआ था या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

क्या पैसा छोड़ने की कीमत थी : सूत्रों की मानें तो इसी दिन नीरज के पिता को पुलिस द्वारा छोड़ दिया गया। ऐसे में यह आशंका गहराने लगी है कि क्या यह एक लाख रुपये रिश्वत के तौर पर दिए गए थे, ताकि आरोपी के परिजन को छोड़ा जा सके। फिलहाल जांच टीम इसी दिशा में भी तहकीकात कर रही है।

एसआई पर पहले से ही कसा था शिकंजाः एसपी राकेश कुमार ने कार्रवाई करते हुए एसआई देवेंद्र कुमार को तत्काल निलंबित कर दिया था। अब जब स्पेशल टीम की जांच में अन्य पहलुओं की परतें खुल रही हैं, तो एसआई की बर्खास्तगी भी तय मानी जा रही है। एसपी ने खुद साफ कहा है कि जीरो टॉलरेंस नीति पर काम हो रहा है। अगर किसी भी स्तर पर पुलिस पदाधिकारी की संलिप्तता पाई जाती है तो सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

बक्सर जिले में खेती को रोल मॉडल के रूप में विकसित करने की आवश्यकता: जिलाधिकारी

♦ संयुक्त कृषि भवन में किसान मेले का आयोजन, डीएम ने किया उद्घाटन

केटी न्यूज/बक्सर

आत्मा के तत्वावधान में संयुक्त कृषि भवन में दो दिवसीय किसान मेला-सह-फल, फूल व सब्जी की प्रदर्शनी लगाई गई। किसान मेला का उद्घाटन जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल, उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल, जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर व प्रगतिशील कृषक राजगृही साह ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि लोक प्रचलित कथन "केवल परिवर्तन ही स्थायी है" के साथ चलने की आवश्यकता है। प्रकृति निरंतर परिवर्तित होती रहती है। इस परिस्थिति में खेती में आधुनिक तकनीक का समावेश कर उत्पादन एवं उत्पादकता में आशातीत वृद्धि कर सकते हैं। आत्मा के द्वारा आयोजित किसान मेला जिले के कृषक के लिए जागरुकता का सशक्त माध्यम है।

जिलाधिकारी ने फल-फूल-सब्जी प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। किसान मेला में फल-फूल-सब्जी का प्रदर्शनी में जिले के सुदूर ग्रामों के प्रगतिशील किसानों द्वारा एक से बढ़कर एक उत्पाद लाये गये। किसानों द्वारा प्रदर्शनी में बैगनी गोभी, बारहमासी आम, एप्पल बेर आदि लगाया गया। साथ ही कृषि व कृषि से सम्बद्ध विभागों द्वारा स्टॉल भी लगाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में खेती को रोल मॉडल के रुप में विकसित करने की आवश्यकता है ताकि दूसरे प्रदेशों के कृषक भी हमारे जिले में नवीनतम तकनीक से लैश खेती-बाड़ी का भ्रमण कर सकारात्मक ज्ञान अर्जित कर सके।

जिले में पराली जलाने की घटना में कमी आई : उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल ने कहा कि किसानों के बीच कृषि विभाग द्वारा पराली प्रबंधन के क्षेत्र में जागरुकता का परिणाम है कि जिले में पराली जलाने की घटना में काफी कमी आई है। उन्होंने जैविक खेती पर बल देते हुए कहा कि भावी पीढ़ियों के रक्षा के लिए कृषक वृहत स्तर पर जैविक खेती को अपनायें। वहीं, जिला कृषि पदाधिकारी श्री अविनाश शंकर ने कहा कि जिले में स्ट्राबेरी, अंजीर, मिलेट्स, एप्पल बेर की खेती की शुरूआत की गई है। जिले के कुछ किसानों द्वारा सेव की खेती भी की जा रही है। जिले में वृहत स्तर पर टमाटर की खेती को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोलने की घोषणा की गई है, जो जिले के किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

किसानों को दी गई विभिन्न जानकारी : किसानों की तकनीकी जानकारी को समृद्ध करने हेतु केवीके के वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान डॉ. देवकरण एवं प्लांट ब्रिडींग विशेषज्ञ हरिगोविंद जायसवाल ने विस्तृत जानकारी प्रदान की। सहायक निदेशक (कृ.अभि.) आशीष कुमार, सहायक निदेशक (शष्य) भूमि संरक्षण संजूलता, आत्मा की उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। भूमि संरक्षण विभाग द्वारा जीविका दीदीयों को पांच लाख रुपये की अग्रिम राशि, कृषि यांत्रिकरण विभाग द्वारा कस्टम हायरिंग सेंटर प्रदान किया गया। मौके पर सदर अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेखर किशोर, डुमरांव अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेखर कुमार, आत्माकर्मी विकास कुमार राय, त्रिपुरारी शरण सिन्हा, सत्येन्द्र राम, दीपक कुमार, संजय कुमार श्रीवास्तव, रघुकुल तिलक, सहित प्रगतिशील कृषक आशुतोष पाण्डेय, मार्कंडेय सिंह, दशरथ सिंह, शिवजी चौधरी, उमाकांत मिश्रा, श्रीभगवान ठाकुर, कौशल कुमार सिंह, सुरेश कुमार सिंह, महेश पांडेय, मुक्तिनारायण चौधरी, रजनीश कुमार सिंह, रमेश चौधरी सहित अनेक कृषक उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

14 को आरएसएस की ओर से डुमरांव में होगा होली मिलन समारोह

डुमरांव। राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ डुमरांव नगर की ओर से 14 मार्च को होली मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समारोह सुबह 7:30 बजे से 10 बजे तक राज हाईस्कूल के मैदान में होगा। मिलन समारोह को होली के गीतों से सराबोर करने के लिए भोजपुरी गायक विनय मिश्र और नन्हे कलाकार आर्यन बाबू अपनी प्रस्तुति देंगे। इस दौरान न केवल होली के गीतों का गुब्बार उड़ेगा बल्कि दिलों से दिलों का मेल भी होगा। रंगों का यह त्योहार आपसी गिले-शिकवे दूर कर एकता के सूत्र में पिरोने, आपसी प्रेम को बढ़ाने और कड़वाहट को दूर करने का संदेश देगा। आरएसएस संघ डुमरांव की ओर से बताया गया कि समारोह में स्वंय सेवक के अलावा, विश्व हिन्दू परिरषद, बजरंग दल और भाजपा के कार्यकताओं को भी आमंत्रित किया गया है। घर-घर संपर्क अभियान चलाकर कार्यकताओं को समारोह में आने का आमंत्रण दिया जा रहा है।

विधानसभा में गूंजा जीविका कैडरों और दीदियों के मानदेय वृद्धि का मुद्दा

बिहार में गरीबी उन्मूलन में जीविका परियोजना की अहम भूमिका: विधायक

♦ डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुशवाहा ने उठाया मुद्दा, जीविका मिशन से जुड़े लोगों को बेसिक कैडर घोषित करने की मांग की

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने बिहार विधान सभा के सत्र के दौरान जीविका कैडरों और जीविका दीदियों का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने जीविका मिशन से जुड़े कर्मियों व कार्यकताओं को बेसिक कैडर घोषित करने तथा 25 हजार रूपए प्रतिमाह का सम्मानजनक मानदेय देने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने सरकार से मांग किया कि जीविका मिशन से जुड़े कार्यकताओं को बेसिक कैडर घोषित किया जाए और उन्हें सम्मानजनक मानदेय दिया जाए।

विधानसभा में अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि जीविका परियोजना बिहार में गरीबी उन्मूलन और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पिछले कुछ वर्षों में जीविका मिशन महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ उन्हें आत्मनिर्भर बना रहा है। निश्चित रूप से इससे बिहार के ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्र की महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, लेकिन राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे जीविका मिशन के कर्मियों व जीविका दीदियों के प्रति उदासीन बनी हुई है। उन्हें सम्मानजनक मानदेय नहीं मिलता है, जिससे उनका खुद का जीवन अंधकारमय हो गया है। जबकि, लाखों महिलाओं को इससे रोजगार और आत्मनिर्भरता मिली है। विधायक ने कहा कि जीविका दीदियां और कैडर इस मिशन की रीढ़ हैं, जो गांव-गांव जाकर महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का काम कर रही हैं। लेकिन वर्तमान में उन्हें बहुत ही कम मानदेय दिया जाता है, जिससे उनके जीवन-यापन में कठिनाई होती है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का मिलेगा लाभ

विधायक ने कहा कि जीविका से जुड़े कार्यकताओं को स्थायी रूप से बेसिक कैडर का दर्जा मिलने पर वे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और अन्य सरकारी लाभों के दायरे में आ सकते है। जिसका लाभ वे उठा सकते है। वहीं, उनके मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि होनी चाहिए, ताकि वे अपनी सेवाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें और खुद तथा परिवार का भरण पोषण अच्छी तरह से कर सकें। विधायक ने कहा कि बिहार को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रही डेढ़ लाख जीविका कैडरो के हित में सोचना सरकार के लिए बेहद जरूरी है। यह मुद्दा जीविका कैडरों और दीदियों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उनके आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार होगा और वे और अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन रहा है जीविका समूह

बता दें कि जीविका समूह ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की रीढ़ बनते जा रही है। गांवों में कई जीविका समूह कार्यरत है। इन एसएचजी ग्रुपों के माध्यम से महिलाओं को आसानी से ऋण मिल जाता है तथा महिलाएं छोटो-मोटा रोजगार कर अपने परिवार की माली हालत सुधार रही है। पिछले कुछ वर्षों में गांव-गांव व शहर के मोहल्लों तक बड़ी संख्या में जीविका समूह न सिर्फ अस्तित्व में आए है बल्कि उनके काम भी अब धरातल पर दिखाई पड़ने लगे है। बावजूद इस मिशन को सफल बनाने में लगे कार्यकताओं व जीविका दीदियों को बहुत कम मानदेय मिलता है। जिससे उनका खुद का जीवन बदतर हो गया है। डुमरांव विधायक द्वारा इस मसले को सदन में उठाने के बाद इस बात की उम्मीद बढ़ी है कि जल्दी ही सरकार जीविका कैडर व दीदियों के मानदेय तथा अन्य सुविधाओं की तरफ ध्यान देगी। बता दें कि जीविका प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ड्रीम प्रोजेक्ट है।

एक नजर

दुनिया का सबसे अनोखा और बड़ा त्योहार है होली: अश्विनी चौबे

बक्सर। होली देश ही नहीं बल्कि दुनिया का सबसे अनोखा व बड़ा त्योहार है। इसे हिन्दुस्तान के अलावे दुनियाभर में फैले भारतवंसियों द्वारा बड़े ही उल्लास के साथ मनाया जाता है। उक्त बातें पूर्व केन्द्रीय मंत्री व बक्सर के पूर्व सांसद अश्विनी चौबे ने मंगलवार को बक्सर में कही। अवसर था वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप राय द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह का। इस होली मिलन समारोह में भाजपा के दर्जनों नेताओं के अलावे सैकड़ो कार्यकर्ता व सामाजिक सरोकार से जुड़े लोग शामिल हुए तथा एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगा होली की बधाई दी। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने जिलेवासियों को होली की बधाई दी और कहा कि बक्सर से उनका लगाव कभी टूटने वाला नहीं है। वे भले ही आज बक्सर का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे है, बावजूद यहां के लोगों के साथ खड़े है। उन्होंने कहा कि बक्सर से उनका आत्मीय लगाव बन गया है। वहीं, भाजपा नेता प्रदीप राय ने कहा कि होली उनका सबसे पसंदीदा त्योहार है। उन्होंने कहा कि वे हर वर्ष होली मिलन समारोह का आयोजन करते है। भाजपा नेता ने कहा कि होली मिलन का ही त्योहार होता है। यह ऐसा अनोखा त्योहार है, जिसमें उंच-नीच, गरीब-अमीर, बच्चे-बूढ़े तथा दोस्त व दुश्मन का फर्क मिट जाता है। सभी उल्लास के साथ इस त्योहार को मनाते है तथा दुश्मनी भूल एक दूसरे को गले लगाते है। यही इस त्योहार की सबसे बड़ी खासियत है। उन्होंने होली मिलन समारोह में मौजूद सभी लोगों को गुलाल लगा उन्हें होली की बधाई दी। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन, कतवारू सिंह, पुष्पांजली देवी, पूनम रविदास समेत भाजपा के दर्जनों नेता व सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आवास योजना: सर्वेक्षण में दो स्तरों के आंकड़ों में भारी अंतर आया सामने

♦ अधिकारियों का बढ़ा दबाव तो कर्मियों पर ढाने लगे कहर

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री आवास योजना को गरीबों के लिए लागू किया गया था, लेकिन अब इसमें रिश्वतखोरी और दलाली का खेल जोरों पर है। योजना का लाभ पाने के लिए पात्र लाभार्थियों से अवैध वसूली की जा रही है। आरोप है कि प्रखंड और पंचायत स्तर पर पद के अनुसार पैसे लिए जा रहे हैं, जिससे गरीब और असहाय लोग परेशान हैं। अधिकतर लोग डर और दबाव के कारण खुलकर कुछ नहीं कह पा रहे, जबकि कुछ जागरूक लोग इस भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। हाल ही में राजपुर प्रखंड में यह मामला तूल पकड़ रहा है।

मामला आवास योजना के तहत किए गए सर्वेक्षण से जुड़ा है, जिसमें दो स्तरों के आंकड़ों में भारी अंतर सामने आया है। जिला प्रशासन द्वारा कराए गए सरकारी सर्वेक्षण की तुलना में निजी एजेंसियों के सर्वेक्षण में अधिक लाभार्थी पाए गए हैं। अधिकारियों ने जब इस अंतर को देखा तो उन्होंने कर्मियों की लापरवाही और सुस्ती पर सवाल उठाए। जबकि, नियमानुसार, प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रखंड अधिकारियों को मिल जाती है, बावजूद इसके सर्वेक्षण में गड़बड़ी कैसे हुई, यह आश्चर्यजनक है।

ग्रामीणों का आरोप है कि दो से तीन हजार रुपये देने पर किसी का भी नाम सूची में जोड़ा जा सकता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि लाभार्थियों की सूची में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन इस भ्रष्टाचार पर क्या कार्रवाई करता है और गरीबों तक योजना का लाभ सही तरीके से पहुंचाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

प्लांट में कार्यरत औद्योगिक सुरक्षा बल ने मनाया अपना 56वां स्थापना दिवस

♦ ध्वजारोहण और सलामी देने के साथ हुई समारोह की शुरुआत

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा में निमार्णाधीन बक्सर थर्मल परियोजना की सुरक्षा में आये केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा प्लांट स्थल में अपना 56वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

उक्त अवसर पर एसटीपीएल मानव संसाधन विभाग के प्रमुख बलजीत सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया, जबकि समारोह के मुख्य अतिथि एवं इकाई प्रभारी डीसी राघवेन्द्र कारण सिंह ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

समारोह की शुरूआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने और सलामी देने के साथ हुई, इस मौके पर सीआईएसएफ व एसटीपीएल के अधिकारियों द्वारा पौधरोपण किया गया। मुख्य अतिथि ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बलों को उनके अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ देश के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और यह बल राष्ट्र के विकास का अभिन्न अंग है। वही,पौधरोपण पर कहा कि पौधरोपण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अनिवार्य है और इसे प्रत्येक नागरिक को जिम्मेदारी के रूप में अपनाना चाहिए। समारोह के अंत में जवानों के बेहतर कार्यों पर प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए।

होली और रमजान को लेकर थाने में हुई शांति समिति की बैठक

होली और रमजान को लेकर थाने में हुई शांति समिति की बैठक

शरारती तत्वों के साथ अवैध गतिविधियों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर : थानाध्यक्ष

केटी न्यूज/केसठ

नावानगर थाना परिसर में होली व रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। बैठक मे वरीय समाहर्ता आलोक कुमार पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष नंदू कुमार एवं उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष ने की। थानाध्यक्ष ने बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधि से पंचायत की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली तथा शांतिपूर्ण तरीके से होली मनाने की बात कही। मुस्लिम समाज के लोगों का रमजान का महीना चल रहा है, इस क्रम में शुक्रवार (जुम्मा) के दिन होली है, जिससे नमाज के दौरान रंग लगाने की संभावना को उनके समक्ष रखा।

उन्होंने लोगों से शांति और प्रेमपूर्वक होली मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रंग खेलना खुशी का प्रतीक है, लेकिन किसी के साथ जबरदस्ती न किया जाए, सभी को स्वेच्छा से होली मनानी चाहिए। वही उन्होंने कहा कि होली में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। अगर कोई डीजे बजाते पकड़ाता है तो उस पर कार्रवाई की जायेगी। दोनों समुदाय के लोग मिलजुल कर पर्व मनाये। अगर कहीं परेशानी आती हो, तो पुलिस को तुरंत सूचना दें।

थानाध्यक्ष ने कहा कि होली के पहले शराब को लेकर जगह-जगह पर छापेमारी की जा रही है। शराब बेचने व पीने वाली को चिह्नित कर के होली के पहले कार्रवाई की जायेगी, ताकि होली में विवाद पैदा न हो सकें। थानाध्यक्ष ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी अफवाह सूचना को फैलाने से हम सभी को बचना है, ताकि शांतिपूर्ण त्योहार मनाने में कोई आंच नहीं आए। शांति समिति बैठक के बाद थाना परिसर में होली मिलन समारोह हुआ। थानाध्यक्ष ने कहा कि होली के दौरान गड़बड़ी फैलाने की मंशा रखने वाले असामाजिक तत्वों के बारे में कोई भी लोग पुलिस को सूचना दें। बैठक में केसठ पंचायत समिति अध्यक्ष मुन्ना सिंह, सुनील यादव, विनोद चौबे, मुख्तार सिंह, नंदजी यादव, रविकांत, सोनू, सहित क्षेत्र के कई लोग शामिल थे।

पौराणिक के साथ पर्यटन के दृष्टिकोण से भी ब्रह्मपुर बनता जा रहा लोकप्रिय केंद्रः डीएम

♦ डीएम, एसडीएम, जिला कला व संस्कृति पदाधिकारी तथा कलाकारों ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन

केटी न्यूज/बक्सर

कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को बीएन हाई स्कूल ब्रह्मपुर में ब्रह्मपुर महोत्सव का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल, डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी तथा कलाकारों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया।

जिलाधिकारी ने सभी जनप्रतिनिधियों व जिलेवासियों का ब्रह्मपुर महोत्सव में स्वागत करते हुए बताया गया कि बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर का एक पौराणिक महत्व रहा है। यह उन प्राचीनतम मंदिरों में एक है, जिसका उल्लेख शिव-पुराण में किया गया है। स्थानीय एवं आस पास के क्षेत्रों में इसे मिनी काशी कहा जाता है। देश भर से प्रति वर्ष लाखों श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा एवं धार्मिक अनुष्ठान के लिए मंदिर में आते हैं।

मंदिर के विकास एवं जीर्णोद्धार को मली है स्वीकृति : जिलाधिकारी ने कहा कि ब्रह्मपुर न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से बल्कि पर्यटन के दृष्टिकोण से भी एक लोकप्रिय केंद्र बनता जा रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए बिहार सरकार द्वारा बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर के विकास एवं जीर्णोद्धार हेतु कई योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। मंदिर स्थिति पोखर व श्रद्धालुओं के लिए सुगमता के लिए प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो गया है। द्वितीय चरण के तहत लगभग 2 करोड़ 16 लाख रुपए की लागत से विकास कार्य जैसे गेट एवं गेस्ट हाउस का निर्माण किया जा रहा है। चहारदीवारी, लाइटिंग एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा।

विभिन्न राज्यों के कुल 45 कलाकारों ने दी प्रस्तुति : ब्रह्मपुर महोत्सव में स्थानीय कलाकारों पूनम यादव, आशीष दुबे, अभिनंदन ओझा, अखिलेश तिवारी द्वारा एकल बांसुरी वादन, शिव राय एवं अन्य द्वारा प्रस्तुति दी गई। इसके अतिरिक्त आलोक चौबे, आलोकनंदा सेन, आरबीडीसी डांस ग्रुप एवं अन्य द्वारा प्रस्तुति दी गई। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में बक्सर जिला में 02 दिवसीय फगुआ उत्सव की भी शुरूआत हुई।

सिमरी में पिकअप और टोटो के बीच जोरदार टक्कर में आधा दर्जन लोग हुए जख्मी

छिनतई की शिकायत कर लौट रहे परिजनों की गाड़ी पिकअप से टकराई, महिला की मौत

♦ सुंदरपुर मोड़ के पास की है घटना

♦ सूचना मिलने के बाद पहुंची डायल 122 की टीम, जख्मियों को स्थानीय सीएचसी में कराया भर्ती

केटी न्यूज/सिमरी

अपराधियों ने छीना था सत्येंद्र का मोबाइल

बताया जाता है कि सोमवार की देर शाम नया भोजपुर डुमरी पथ स्थित नीलामी मोड पर सत्येंद्र चौधरी की मोबाइल अपराधियों ने छीन लिया था। इसके बाद वह अपने पूरे परिवार के साथ टोटो पर सवार हो इसकी शिकायत दर्ज कराने सिमरी थाना गया था। शिकायत दर्ज कराने के बाद सभी लोग वापस काजीपुर लौट रहे थे। आशा पड़री से जैसे ही उनकी टोटो आगे बढ़ी तथा सुंदरपुर मोड़ से 50 मीटर पहले पहुंची थी कि नियाजीपुर की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी टोटो में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे सभी लोग सड़क पर गिर जख्मी हो गए। इस दुर्घटना में दशुनी को गंभीर चोटे आई थी तथा मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पिकअप वैन और टोटो की सीधी टक्कर में एक महिला की मौत हो गई है जबकि इस घटना में आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए है। घटना सोमवार की रात 11 बजे सिमरी थाना क्षेत्र के आशा पड़री नियाजीपुर पथ स्थित सुंदरपुर मोड़ के पास की है। सभी मृतक और जख्मी काजीपुर गांव निवासी और एक ही परिवार के है। घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची तथा सभी को लेकर सिमरी सीएचसी आई। जहां एक महिला को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य जख्मियों को प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मृतका की पहचान काजीपुर निवासी किशुन बिंद की 55 वर्षीय पत्नी दशुनी देवी के रूप में हुई है। जबकि अन्य जख्मियों में चंद्रावती देवी पति वीर बहादुर चौधरी, विकास कुमार, रोहित चौधरी, विशाल कुमार, टुनटुन चौधरी तथा सत्येंद्र चौधरी शामिल है। सभी एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं।

घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है। जबकि गांव में भी मायूशी छाई है। स्वजनों ने इस घटना के बाद बेलगाम परिचालन के प्रति गहरा आक्रोश जताया है। वहीं, लोगों ने इलाके में छपट्टामार गिरोह पर लगाम लगाने की मांग पुलिस से की है। लोगों का कहना है कि आशा पड़री से नियाजीपुर तक सड़क निर्माण होने के बाद इस पथ पर वाहन चालक बेलगाम हो गए है, जिस कारण अक्सर दुर्घटनाएं हो रही है।

सिमरी थानाध्यक्ष कमलनयन पांडेय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की जांच की जा रही है।

चालक को आई झपकी, सामने खड़ी ट्रक में मारी टक्कर, दो जख्मी, रेफर

♦ केबिन में फंसे चालक व सह चालक को केबिन का गेट काट निकाला गया बाहर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्टेशन बाईपास रोड में मंगलवार की अहले सुबह एक ट्रक चालक ने सामने खड़ी ट्रक में जोरदार टक्कर मार दिया। इस घटना में उक्त ट्रक का केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया तथा चालक व सह चालक उसमें फंस गए। दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। टक्कर की आवाज सुन आस पास के लोग तथा अन्य ट्रकों के चालक तुरंत वहां पहुंचे तथा डायल 112 टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची डायल 112 टीम ने स्थानीय लोगों के सहयोग से केबिन में फंसे चालक व सह चालक को गेट तोड़ किसी तरह बाहर निकाल उन्हें इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को रेफर कर दिया गया।

ट्रक पर बालू लदा था तथा यह नासीरीगंज से यूपी की तरफ जा रही थी। जानकारों का कहना है कि चालक व सह चालक दोनों यूपी के अंबेडकर नगर के निवासी है, हालांकि उनकी शिनाख्त नहीं हो पाई। मिली जानकारी के अनुसार एक ट्रक जिसका रजिस्टेज्शन नंबर यूपी 45 टी 6659 है, नासीरीगंज से बालू लेकर आजमगढ़ की तरफ जा रही थी। सुबह करीब चार बजे जैसे ही ट्रक डुमरांव के विष्णु मंदिर त्रिमुहानी से आगे बढ़ी कि सामने खड़ी एक अन्य बालू लदी ट्रक में टक्कर मार दी। जानकारों का कहना है कि चालक को झपकी आने से यह हादसा हुआ। घटना के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है। इसकी जानकारी मिलते ही वाहन मालिक भी घटना पर पहुंचा था।

एक नजर

होली मिलन समारोह में लोक गीतों पर झूम उठे लोग, अबीर गुलाल से हुए सराबोर

नावानगर। स्थानीय गांव के एक शो रुम के पास सर्वदलीय होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अगुआई भाजपा नेता सह नावानगर पैक्स के अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह ने की। इस दौरान भोजपुरी के चर्चित नन्हें गायक आर्यन कुमार व विनय मिश्रा समेत अन्य गायकों ने पारंपरिक होली गीत के साथ फिल्मी होली गीत व होली स्पेशल गाने भी गाए। इधर होली गीतों पर उपस्थित लोग झुम उठे। कार्यक्रम का उद्घाटन गोपालजी दुबे ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि होली आपसी प्रेम सद्भा व भाईचारे का प्रतीक है। इस मौके पर सभी लोगों भेद भाव भूल कर एक दूसरे को अबीर लगा अपनी खुशियां बांटनी चाहिए। वहीं, मंच संचालन भाजपा नेता मनोज सिंह ने किया। कार्यक्रम में भोजपुरी गायकों ने पारंपरिक गीतों पर लोगों को खुब झुमाया। इस दौरान ह्लओ रंग रसिया, होली खेले रघुबीरा अवध में होली..., गीत पर लोग जमकर झुमे। वही समारोह में उपस्थित नृत्यांगनाओं ने अपने नृत्य से समां बांध दिया था। इधर होली मिलन समारोह कार्यक्रम में उपस्थित लोग अबीर गुलाल से सराबोर हो गए थे। समारोह में मुख्य रूप से विंध्याचल सिंह, बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष राम कुमार सिंह, जिला पार्षद बंटी शाही, बिरेंद्र प्रसाद गुप्ता, छोटू सिंह, राधा कृष्ण सिंह, संतोष कुशवाहा समेत कई अन्य लोग शामिल हुए थे।

मारपीट मामले में दो लोगों को गिरफ्तार

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र के भखरा गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई थी। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार युवक उक्त गांव के सुमेश्वर नाथ चौबे, रामेश्वर नाथ चौबे बताए जाते हैं। इस संबंध में सिकरौल थानाध्यक्ष बिरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि क्षेत्र के भखवा गांव में दो लोगों के बीच आपसी विवाद में मारपीट हो गई थी। जिसमे एक पक्ष के अनित कुमार द्वारा नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। जिसपर करवाई करते हुए नामजद दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

एमडीएम के तहत विद्यालयों में अगले आदेश तक अंडा की जगह मिलेंगे फल

केटी न्यूज/बक्सर

♦ मध्यान भोजन निदेशक ने पत्र जारी कर डीईओ एवं डीपीओ मध्यान भोजन को दिया निर्देश

विद्यालयों में संचालित मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत मिलने वाला अंडा, मांस एवं मुर्गा देने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। एमडीएम योजना के निदेशक साहिला ने पत्र जारी कर रोक लगाई है। अब विद्यालयों में एमडीएम योजना अंतर्गत शुक्रवार को मिलने वाले अंडा की जगह मौसमी फल बच्चों को दिया जाएगा।

वहीं जारी पत्र के अनुसार कक्षा एक से आठ में अध्ययनरत बच्चों को शुक्रवार के निर्धारित मेनू के अतिरिक्त एक उबला अंडा एवं शाकाहारी बच्चों को मौसमी फल सेव या केला दिया जा रहा है। वर्तमान में केन्द्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने बिहार समेत सभी राज्यों को बर्ड फ्लू के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर अलर्ट किया गया है। इस संबंध में सावधानी बरतने के लिए आम जनों को अंडा, मुर्गा, मांस इत्यादि के सेवन से बचने का सलाह दिया गया है। वर्तमान में अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग से भी निदेश प्राप्त है कि बच्चों को एमडीएम योजना (वर्ग 1 से 8) में अध्ययनरत बच्चों को शुक्रवार के निर्धारित मेनू के दिये जाने वाले अंडा को तत्काल प्रभाव से रोक देने का निर्देश दिया गया है। उसके स्थान पर सभी बच्चों को मौसमी फल सेव या केला दिये जाने का निर्देश दिया गया है। स्थिति सामान्य होने के उपरान्त अंडा देने के संबंध में पुनः निदेश जारी किया जायेगा। अतएव निदेश दिया जाता है कि बच्चों के हित में राज्य में बर्ड फ्लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए तत्काल प्रभाव से शुक्रवार के मेनू से अंडा नहीं देकर उसके स्थान पर मौसमी फल सेव या केला (100 ग्राम के समतुल्य) दिया जाना सुनिश्चित करेंगे।

प्रवासी श्रमिक बिहार प्रवासी कामगार एप में अवश्य कराएं निबंधनः डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

श्रम कल्याण दिवस के अवसर पर मंगलवार को संयुक्त श्रम भवन में एक दिवसीय जागरूकता शिविर-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ जिला पदाधिकारी बक्सर श्री अंशुल अग्रवाल के द्वारा किया गया।

कार्यशाला में न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986, बिहार प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना, बिहार शताब्दी योजना, बंधुआ मजदूर तथा बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड एवं अन्य श्रम अधिनियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। बताया गया कि श्रम संसाधन विभाग द्वारा बिहार प्रवासी कामगार एप्प लॉच किया गया है। इसमें निबंधन कैसे एवं कौन करेंगे, इसकी विस्तृत जानकारी जिले से आये श्रमिक मजदूरों को दी गयी। इस एप्प में निबंधन कराने से राज्य के बाहर कार्य करने वाले प्रवासियों को काफी सुविधा होगी। इसके साथ ही बिहार के बाहर जाने वाले कामगारों का डाटाबेस तैयार करने में काफी सुविधाजनक होगी।

कार्यशाला में डालमियानगर के सहायक श्रमायुक्त रिपु सूदन मिश्रा, श्रम अधीक्षक बक्सर संदीप कुमार, सदर श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी मुन्ना कुमार प्रसाद, चौसा श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी अमित कुमार, चक्की श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी, इटाढ़ी श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी प्रीतिजीत एवं मजदूर यूनियन के संजय कुमार, किशुन सिंह, शबिर साह, भरत राम एवं प्रतिनिधि रामसेवक आदि वरिष्ठ लोग उपस्थित थे।

कुमार अथोर्पैडिक क्लीनिक में होली के मद्देनजर आयोजित हुआ समारोह

होली प्रेम, सद्भाव व भाईचारे का त्योहारः बिरेन्द्र राम

♦ प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ के सौजन्य से महिलाओं के बीच किया गया साड़ी का वितरण

केटी न्यूज/डुमरांव

होली प्रेम, सद्भाव व भाईचारे का त्योहार है। इस त्योहार को इसी रूप में मनाना चाहिए। इस त्योहार की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें दुश्मन भी एक दूसरे के गले मिलते है। उक्त बातें प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बिरेन्द्र राम ने मंगलवार को कही। उनके सौजन्य से नगर के सुमित्रा कॉलेज पथ स्थित कुमार अथोर्पैडिक में एक समारोह आयोजित कर करीब 100 जरूरतमंद महिलाओं के बीच साड़ी, गुलाल आदि का वितरण किया गया।

डॉ. बिरेन्द्र ने कहा कि पर्व त्योहार हमे आपस में मिलजुलकर रहने की सीख देते है। इस मौके पर सबसे जरूरी होता है कि हम समाज के जरूरतमंद लोगों की हर संभव मदद करें। उन्होंने कहा कि पर्व त्योहारों पर जरूरतमंद लोगों को किसी तरह की कमी नहीं हो यह समाज के हर सामर्थ्यवान को ध्यान देना चाहिए। सबके सहयोग से जरूरतमंदों का त्योहार भी खुशी से बीतता है। इसी उदेश्य से इस वितरण का आयोजन किया गया।

वहीं, मौके पर सामाजिक सरोकार से जुड़ी इशरत जहां ने अपने हाथों दर्जनों जरूरमंद महिलाओं के बीच साड़ी वितरित किया और कहा कि ऐसे लोगों की मदद करने से सुकुन मिलता है। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार दुनिया का सबसे अनोखा त्योहार होता है। इस त्योहार को सबको मिलजुलकर मनाना चाहिए। वहीं, अस्पताल संचालक जैनुल होदा उर्फ बब्लू ने कहा कि हर पर्व त्योहार व विशेष अवसर पर जरूरमंदों का सहयोग अस्पताल के सहयोग से किया जाता है।

गौरतलब हो कि डॉ. बिरेन्द्र डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टेट है तथा इलाके में हड्डी रोग के जाने माने डॉक्टर है। उनके बेहतर इलाज व कुशल व्यवहार के चलते बड़ी संख्या में मरीज उनसे इलाज लेते है। वे एक बेहतर डॉक्टर के साथ ही अच्छे इंसान भी है तथा समय-समय पर जरूरतमंदों की मदद करने के लिए भी जाने जाते है। मौके पर बब्लू भर, गोरख राजभर, मनू अंसारी, कुश चौबे, प्रफ्फुल पांडेय, सुमित कुमार समेत कई अन्य मौजूद थे।

भोजपुर के राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में हुआ कैंपस प्लेसमेंट

केटी न्यूज/आरा

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज भोजपुर में मंगलवार को कॉलेज में प्राचार्य डॉ सीबी महतो के नेतृत्व में प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट पदाधिकारी प्रो अमृतांशु रौशन की ओर से कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। मर्चेंट नेवी के क्षेत्र में रोजगार के अवसर को लेकर सिंगापुर की कंपनी के माध्यम से मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए कॉलेज कैंपस में प्लेसमेंट हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य डॉ सीबी महतो, कंपनी के मार्केटिंग ऑफिसर शिवम तिवारी, डीन डॉ पंकज श्रीवास्तव और टीपीओ अमृतांशु रौशन ने दीप जलाकर किया। फिर कंपनी के प्रतिनिधि की ओर से प्री प्लेसमेंट प्रेजेंटेशन दिया गया। कंपनी की ओर से दिये जाने वाले रोजगार संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। इसके अलावा नियुक्ति के बाद 18 महीने की ट्रेनिंग के उपरांत डेढ़ से ढाई लाख रुपये प्रति माह तक की सैलरी देने की जानकारी दी गई।

इससे पूर्व ट्रेनिंग के दौरान 50 से 60 हजार प्रति माह स्टाइपेन दिया जाएगा। कंपनी की ओर से कॉलेज के कंप्यूटर लैब में आंतरिक चयन के बाद मैकेनिकल के 16 छात्रों का कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन लिखित परीक्षा संचालित की गई। परिणाम जल्द ही जारी किया जाएगा। चयनित छात्रों का ऑनलाइन इंटरव्यू देना होगा, जिसके बाद अंतिम रूप से चयन किया जाएगा। कॉलेज के प्रध्यापकों ने बताया कि अन्य कंपनियों से संपर्क किया जा रहा है। उन्हें भी प्लेसमेंट के लिए बुलाया जा रहा है। यह प्रयास किया जा रहा है कि शत-प्रतिशत यहां के छात्रों का प्लेसमेंट कर दिया जाए। यहां के छात्रों ने अपने आप को बेहतर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कार्यक्रम को आयोजित करने में प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो गुड़िया कुमारी, कोऑर्डिनेटर प्रो रेशु सिंह, प्रो प्रतीक प्रसाद विद्यार्थी, संजीव कुमार सज्जन, श्वेता रावत व छात्र कोऑर्डिनेटर अनुराग, सतीश कुमार, अभिनव कुमार, देविका व श्याम का अहम योगदान रहा।

हेमन ट्रॉफी टूर्नामेंट में रोहतास ने औरंगाबाद को 106 रनों से हराया

केटी न्यूज/आरा

बिहार क्रिकेट संघ व भोजपुर क्रिकेट संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हेमन ट्रॉफी सीनियर अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के आठवें मुकाबले में मंगलवार को रोहतास ने औरंगाबाद को हराया। महाराजा कॉलेज के टर्फ विकेट पर हुए मुकाबले में टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए रोहतास जिले की टीम ने 43 ओवरों में 230 रनों का स्कोर खड़ा किया। रोहतास टीम के लिए धनंजय ने सर्वाधिक 50 रन, परवेज आलम ने 34, सागर ने 33 और अंशु ने 35 रनों का योगदान किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी औरंगाबाद जिले की पूरी टीम महज 124 रनों पर सिमट गई। कोई भी बल्लेबाज लंबी पारी नहीं खेल पाया। टीम के लिए राज ने सर्वाधिक 38 रन बनाये, जबकि रंजीत ने 34 रनों की पारी खेली। रोहतास ने मुकाबले को 106 रनों से जीत लिया।

आरा के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के नवादा बेन में हुई घटना

ममेरे भाई की शादी में भाग लेने आए युवक की गोली मार हत्या

- पटना के फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र के कुर्जी मोहम्मदपुर गांव का मूल निवासी था मृतक
- परिजनों ने कहा किसी से नहीं था मृतक से विवाद

केटी न्यूज/आरा

गजराजगंज ओपी क्षेत्र के नवादा बेन में सोमवार की देर रात एक युवक की गोली मार हत्या कर दी गई। ममेरे भाई के हल्दी समारोह में भाग लेने जाने के लिए घर से निकले युवक के सिर के पिछले हिस्से में काफी नजदीक से गोली मारी गई थी। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृत युवक मूल रूप से पटना के फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र के कुर्जी मोहम्मदपुर गांव निवासी लालजी चौहान का 24 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार उर्फ कल्लू था। वह महाराष्ट्र के पुणे में प्राइवेट कंपनी में काम करता था। उसका परिवार पिछले कुछ समय से उसके ननिहाल नवादा बेन गांव में मकान बना कर रहता है। हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। इधर, देर रात युवक की हत्या की वारदात से गांव में सनसनी मच गई। सूचना मिलते ही ओपी इंचार्ज हरि प्रसाद शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और अपने स्तर मामले की छानबीन की?। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। युवक के बड़े भाई विपुल कुमार ने बताया कि दोनों भाई बाहर काम करते हैं। नवादा बेन गांव निवासी उसके मामा नरेश कुमार के बेटे धीरज कुमार की 11 मार्च को शादी थी। इसे लेकर दोनों भाई सोमवार को ही गांव आये थे।

सोमवार की रात उसके ममेरे भाई की हल्दी थी। इसे लेकर उसकी मां उसके मामा के घर गई थी। देर शाम उसका भाई मामा के घर जाने के लिए निकला था। कुछ देर बाद उसने फोन किया और कहा कि थोड़ी देर में आ रहा हूं, लेकिन काफी देर तक वह नहीं आया, तो उसे कॉल की। तब उसका मोबाइल बंद आ रहा था। इस बीच सूचना मिली कि उसका भाई जख्मी हाल में घर से तीन सौ मीटर की दूरी पर स्थित नहर के किनारे पड़ा है। सूचना मिलने पर वह वहां पहुंचा, तो देखा कि उसका भाई खून से लथपथ अचेत पड़ा है। इसके बाद उसे सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों की ओर से उसे मृत घोषित कर दिया गया। विपुल कुमार की ओर से गांव में किसी से विवाद या दुश्मनी से इनकार किया गया है। हालांकि उसने षडयंत्र के तहत अपने भाई की गोली मार हत्या करने का आरोप लगाया है। इधर, गजराजगंज ओपी इंचार्ज हरि प्रसाद शर्मा ने बताया कि जांच के दौरान युवक के अंडरगारमेंट्स पर सिमेन का दाग मिला है। इस आधार पर भी मामले की छानबीन की जा रही है। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कहीं दूसरी जगह हत्या करने के बाद शव वहां फेंक दिया गया है। बहरहाल, हर एंगल से मामले की छानबीन की जा रही है। तकनीकी और वैज्ञानिक जांच की भी मदद ली जा रही है। इस मामले में विपुल कुमार की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है।

बोले पशुपति... जल्द करेंगे ऐलान विस चुनाव में किसके साथ जायेंगे

केटी न्यूज/आरा

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने कहा कि 14 अप्रैल को बड़ा ऐलान करेंगे, और बताएंगे कि बिहार का चुनाव वो किसके साथ मिलकर लड़ेंगे, एनडीए के साथ जाएंगे, या फिर महागठबंधन का दामन थामेंगे। उन्होने कहा कि हमारी पार्टी का फैसला है कि हम बिहार के 243 सीटों पर भ्रमण करें। हम इंटरनल सर्वे करा रहे हैं। 14 अप्रैल को बापू सभागार में बहुत बड़ी रैली करने जा रहे हैं। पार्टी की बैठक होने के बाद उसमें जो फैसला होगा, वो हम बिहार की जनता और मीडिया के सामने रखेंगे। मैं बताऊंगा कि मुझे किस तरफ जाना है। उन्होंने कहा कि वैसे सभी को मालूम है कि मैं किस तरफ जाऊंगा। लेकिन राजनीति में कुछ बातें भविष्य के गर्त में रहने दीजिए। भाजपा पर निशाना साधते हुए पशुपति पारस ने कहा कि हमारे 5 सांसद थे, सभी सांसदों का टिकट काट दिया गया। इसका कारण मै नहीं जानता हूं। सिर्फ इतना ही जनता हूं दलित की पार्टी थी और इखढ दलित विरोधी है। लोकसभा में बाबा भीम राव अंबेडकर के खिलाफ कितनी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।वहीं बिहार की कानून व्यवस्था पर नीतीश सरकार को घेरा, पारस ने कहा कि आरा में इतनी बड़ी लूट की घटना घटी है। लूट 25 करोड़ की हो, या फिर 2500 करोड़ की सरकार को कुछ लेना-देना नहीं हैं।

मेगा शिविर में छह सौ आवेदकों के बीच वितरित हुआ लोन

- नौ करोड़ की राशि स्वीकृत व वितरण किया गया
- वित्त विभाग के निर्देश पर लगा मेगा लोन शिविर

केटी न्यूज/आरा

कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को बिहार सरकार के वित्त विभाग के निर्देश पर मेगा लोन शिविर का आयोजन किया गया। इसमें उपस्थित अधिकारियों की ओर से लाभार्थियों को लोन स्वीकृत पत्र व लोन वितरण पत्र दिया गया। शिविर में लगभग छह सौ लाभार्थियों को करीब नौ करोड़ की राशि स्वीकृत व वितरण किया गया। यह राशि बीते 26 फरवरी से लेकर 11 मार्च के बीच में भोजपुर के सभी बैंकों की ओर से जो लोन स्वीकृत व वितरित की गई है, इस शिविर में दशार्यी गयी है। शिविर का आयोजन बिहार सरकार के वित्त विभाग के निर्देश पर किया गया था ताकि जिले का सीडी अनुपात व वार्षिक साख अनुपात में सुधार हो सके। यह प्रयास किया जा रहा है कि गरीब परिवार को लोन दिया जाए। जिससे वह अपना व्यवसाय खड़ा कर सके। उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। मौके पर वरीय उप समाहर्ता हीना, नाबार्ड से जिला विकास प्रबंधक रंजीत कुमार सिन्हा, वरीय कोषांग अधिकारी श्याम पटेल, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश भारती, भारतीय स्टेट बैंक से अनामिका कुमारी व मुख्य प्रबंधक सुनील कुमार, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक राजेश कुमार चौधरी, जिला उद्योग केंद्र के प्रभारी सतीश कुमार, जिले के वरिष्ठ अधिकारी व बैंकों के समन्वयक अधिकारी उपस्थिति रहे। स्वागत व धन्यवाद ज्ञापन एलडीएम राजेश कुमार चौधरी ने किया।

शिक्षकों की रिक्ति एवं विवरणी ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश जारी

शिक्षकों का स्थानांतरण व पदस्थापना 13 मार्च को सॉफ्टवेयर के माध्यम से होगा संचालित

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षकों के स्थानान्तरण व पदस्थापन को ले शिक्षकों से ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर 12 मार्च तक अद्यतन जानकारी अपलोड करने को लेकर अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग डॉ. एस. सिद्धार्थ ने पत्र जारी किया है। डीइओ को जारी पत्र के अनुसार 13 मार्च से स्थानांतरण व पदस्थापन का सॉफ्टवेयर सभी श्रेणि के शिक्षकों के प्राप्त आवेदनों के लिए चलाया जाएगा। वहीं इस दौरान प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार के लिए शिक्षकों की कोटि यथा, नियमित शिक्षक, विद्यालय अध्यापक, नियोजित शिक्षक (विशिष्ट शिक्षक सहित) के अनुसार उपलब्धता एवं आवश्यकता संबंधी सूचना अपेक्षित है। विद्यालय स्तर पर रिक्ति एवं सरप्लस शिक्षकों की विवरणी ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर 12 मार्च तक अद्यतन कराकर अनुमोदित किया जाना है। ज्ञात हो कि सॉफ्टवेयर चलाने के दौरान या बाद में यह विवरणी अपडेट नहीं की जा सकती है. एक बार सॉफ्टवेयर चलाने में लगभग 7 (सात) दिन लगेंगे। इसलिए एक बार सॉफ्टवेयर चलाने के बाद किसी प्रकार के संशोधन हेतु सॉफ्टवेयर नहीं चलाया जा सकता है। इसको देखते हुए सभी यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यालयवार शिक्षकों की स्वीकृत इकाई, ई-शिक्षाकोष पर कार्यरत शिक्षकों की संख्या, नाम एवं अन्य विवरणी, रिक्ति व सरप्लस टीचर एवं आवश्यक शिक्षकों की संख्या अद्यतन रहे। यदि किसी परिस्थिति में आप उपरोक्त निर्धारित तिथि तक रिक्ति अद्यतन नहीं कर पाए तो निदेशक, प्राथमिक शिक्षा को अविलंब दूरभाष पर इसकी सूचना देंगे, ताकि सॉफ्टवेयर चलाने का कार्य स्थगित रखा जा सके. अन्यथा सॉफ्टवेयर चलाने का कार्य 13 मार्च को प्रारंभ कर दिया जाएगा। वहीं सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को संलग्न प्रपत्र में इस आशय का प्रमाण पत्र भी 12 मार्च तक समर्पित करेंगे कि विद्यालयवार रिक्ति एवं सरप्लस शिक्षकों से संबंधित ऑकड़ों की प्रविष्टि ई-शिक्षाकोष पर पूर्ण कर दी गयी है। यदि सॉफ्टवेयर चलाने के बाद रिक्ति से संबंधित कोई त्रुटि परिलक्षित होती है, तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा। जिसकी सारी जवाबदेही जिला शिक्षा पदाधिकारी की निर्धारित की जाएगी। इसको देखते हुए सभी विद्यालयों में विषयवार रिक्ति व सरप्लस से संबंधित आंकड़ों को पूर्ण रूप से अद्यतन करने का निर्देश दिया गया है। जिससे कि सही तौर पर शिक्षकों का स्थानान्तरण व पदस्थापन किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

मंईयां सम्मान योजना को लेकर हेमंत के पुराने साथी ने कर दी बड़ी बात, मच गया सियासी घमासान

चाईबासा, एजेंसी। पूर्व राजस्व मंत्री दुलाल भुईयां ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को सरकारी रेवड़ी बताया है। सोमवार को एक मामले में चाईबासा कोर्ट आए दुलाल भुईयां ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना झारखंड सरकार का लॉलीपाप है। इस योजना के लिए सरकार के पास फंड नहीं है। वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन और छात्रवृत्ति का पैसा न देकर सरकार मंईयां सम्मान योजना में पैसे बांटकर खजाना खाली कर रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड के खनिज पर सरकार का ध्यान नहीं है। मुफ्त की रेवड़ी बांटकर सरकार कितने दिन चलाओगे। यहां की जनता एक दिन आपके बाल नोंच लेगी। पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने कहा, हम लोग शिबू सोरेन के आदमी हैं। उनके लिए कुछ भी कर सकते हैं। हेमंत सोरेन से हमारा क्या लेना–देना। वो पत्थर चोर हैं, जेल गए हैं।अभी हेमंत सोरेन के साथ सिर्फ चाटुकार लोग ही हैं। भाजपा में जाने के सवाल पर दुलाल ने कहा कि भाजपा अच्छी पार्टी है। अगर भाजपा चाहेगी तो हम राजनीति की पिच पर खेलने के लिए तैयार हैं।चाईबासा के व्यवहार न्यायालय के एमपी–एमएलए कोर्ट में चल रहे केस में पूर्व राजस्व मंत्री दुलाल भुईयां को सुनवाई के बाद कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में सोमवार को बरी कर दिया है। वर्ष 2015–16 में टाटा कंपनी के कर्मचारियों के हक की मांग लेकर टाटा कंपनी ग्रुप के विरोध एक जनांदोलन हुआ था।इसमें साफ–सफाई कर्मचारियों के हक अधिकार को लेकर उन्होंने टाटा कंपनी ग्रुप के व्यवस्था के खिलाफ यह लड़ाई लड़ी थी, जिसका नेतृत्व करने के कारण दुलाल भुईयां को षड्यंत्र के तहत गिरफ्तार कर लिया गया था और पुलिस ने जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की थी।पूर्व राजस्व मंत्री दुलाल भुईयां ने कहा कि मुझे न्यायालय पर पूरा विश्वास था जिसके फलस्वरूप कई वर्ष बाद आज उन्हें न्यायालय में सम्मान के साथ बरी कर दिया गया है।

होली से पहले महिलाओं को हेमंत सरकार ने कर दिया खुश, 2500 की जगह खाते में भेजे इतने रुपये

गढ़वा, एजेंसी। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि योजना की लाभुक महिलाओं के बैंक खाते में पहुंचने लगी है। इससे महिलाओं में खुशी का माहौल है। एक साथ तीन माह की राशि 7500 रुपये बैंक खाते में पहुंचने से महिलाओं के होली व रमजान की खुशी में इजाफा हो गया है। सरकार ने डीबीटी के माध्यम से जनवरी, फरवरी व मार्च की राशि महिलाओं के बैंक खाते में भेजी है। जिसका इंतजार महिलाएं बेसब्री से कर रही थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा विगत आठ मार्च को राशि भेजे जाने शुरूआत किए जाने के बाद गढ़वा जिले में अगले दिन यानी नौ मार्च से लाभुक महिलाओं के बैंक खाते में 7500 रुपये आना शुरू हो गया है। उस दिन से लगातार महिलाओं के बैंक खाते में राशि पहुंच रही है। यह सिलसिला लगातार जारी है। यहां सबसे रोचक बात यह है कि मंईयां सम्मान की राशि लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। महिलाएं तो आपस में चर्चा कर ही रही है। पुरुष भी इसके प्रति उत्सुक दिख रहे हैं। अपनी पत्नी, बेटी, बहू के खाते की पड़ताल वह लगातार करा रहे हैं। ताकि वह सरकार की इस योजा के लाभ से वंचित नहीं रह जाएं। जिन महिलाओं के बैंक खाते में राशि आ गई उनमें उत्साह देखने को मिल रहा है। शेष महिलाएं भी राशि आने का इंतजार कर ही है। ऐसे में यह योजना महिलाओं के बीच चर्चा में है। किसको राशि मिली, किसे नहीं। यह पूछताछ की जा रही है। राशि भुगतान से संबंधित मोबाइल में मैसेज आने पर महिलाएं इसे एक दूसरे को दिखाती फिर रही है। जिले में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों की संख्या दो लाख 45 हजार 472 लाभुक है। इन्हें डीबीटी के माध्यम से बैंक खाते में राशि भेजी जा रही है। राशि भेजने का क्रम नौ मार्च से शुरू हुआ है तथा लगातार जा रही है। जिन्हें राशि मिल जा रही है उनमें खुशी है तथा शेष महिलाएं राशि आने का इंतजार कर रही है।

टाटा-बक्सर के बीच चलेगी नई ट्रेन, 16 घंटे होगा ट्रैवल टाइम, धड़ाधड़ कट रही टिकट

धनबाद, एजेंसी। धनबाद होकर बिहार के लिए एक और होली स्पेशल ट्रेन की घोषणा हो गई है। टाटा से बक्सर के बीच 12 मार्च को स्पेशल ट्रेन चलेगी। वापसी में बक्सर से 13 मार्च को परिचालन होगा।

टाटा से बक्सर के बीच चलने वाली ट्रेन से किउल, मोकामा, पटना, दानापुर व आरा तक पहुंचने की राह आसान होगी। स्पेशल ट्रेन की बुकिंग खुलते ही सारी सीटें फुल हो गई हैं। स्लीपर व सेकेंड एसी में आरएसी तो थर्ड एसी में वेटिंग लिस्ट है। 08183 टाटा-बक्सर स्पेशल टाटा से शाम 4ः20 पर रवाना होगी। शाम 7ः35 पर बोकारो, रात 8ः25 पर चंद्रपुरा, रात 9ः40 पर धनबाद तथा अगले दिन सुबह 7ः45 पर बक्सर पहुंचेगी।

08184 बक्सर-टाटा होली स्पेशल बक्सर से दिन में 10ः00 बजे रवाना होगी। रात 9ः10 धनबाद, 10ः58 पर चंद्रपुरा, 11ः35 पर बोकारो तथा अगले

दिन अलसुबह 3ः00 बजे टाटा पहुंचेगी।

टाटा से बक्सर जानेवाली ट्रेन सिनी, मूरी, बोकारो, चंद्रपुरा, धनबाद, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल, मोकामा, पटना साहिब, पटना, दानापुर व आरा में रुकेगी।

रंगों के त्योहार होली के लिए रेल प्रशासन ने तीन और स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। आसनसोल रेल मंडल प्रशासन की ओर से सोमवार को यह जानकारी दी गई। जानकारी के अनुसार, होली में यात्रियों की लगातार बढ़ रही भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने टाटानगर-बक्सर, रांची-जयनगर और टाटानगर-कटिहार के बीच तीन और होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

टाटानगर-बक्सर होली स्पेशल : 08183 टाटानगर-बक्सर होली स्पेशल 12 मार्च को बुधवार 16ः20 बजे टाटानगर से रवाना होगी और अगले दिन 07ः45 बजे बक्सर पहुंचेगी। बक्सर से 08184 बक्सर-टाटानगर होली स्पेशल गुरुवार 13 मार्च को 10ः00 बजे बक्सर से रवाना होगी और अगले दिन 03ः00 बजे टाटानगर पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में आसनसोल मंडल के चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बे होंगे।

टाटानगर-कटिहार होली स्पेशल

08181 टाटानगर-कटिहार होली स्पेशल 12 मार्च बुधवार को 13ः00 बजे टाटानगर से रवाना होगी और अगले दिन 02ः00 बजे कटिहार पहुंचेगी। गुरुवार को 08182 कटिहार- टाटानगर होली स्पेशल 03ः50 बजे कटिहार से रवाना होगी और उसी दिन 16ः00 बजे टाटानगर पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में आसनसोल मंडल के आसनसोल और अंडाल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बे होंगे।

08105 रांची-जयनगर होली स्पेशल 12.03.2025 (बुधवार) को (01 ट्रिप) 14ः50 बजे रांची से रवाना होगी और अगले दिन 06ः00 बजे जयनगर पहुंचेगी।

दो लड़कियों ने आपस में रचाई शादी, मामला पहुंचा थाने

पलामू, एजेंसी। दो लड़कियों की आपस की प्रेम कहानी शादी रिश्तों में बंध गई है. दो लड़कियों ने प्रेम संबंध के बाद आपस में शादी कर ली है. एक लड़की खुद को पति बता रही है जबकि दूसरी लड़की खुद को पत्नी बता रही है. ये पूरा मामला पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र का है.

दरअसल 25 वर्षीय लड़की के मोहल्ले की रहने वाली एक 21 वर्षीय लड़की के साथ दोस्ती हुई. दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई. दोनों ने आपस में शादी रचाने का फैसला किया और फरवरी के महीने में दोनों रामगढ़ के एक धार्मिक स्थल पर गई थी और शादी कर ली.

शादी करने के बाद एक लड़की ने अपने बाल कटवा कर लड़के का रूप धारण कर लिया. सोमवार को एक लड़की के परिजनों को शादी की कहानी पता चल गई. लड़की के परीजन अपनी बेटी को वापस लेने

के लिए मौके पर पहुंचे. परिजनों को देख खुद को पति बताने वाली लड़की गुहार लगाते हुए टाउन महिला थाना पहुंची.

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों लड़कियों को थाना ले आई है. दोनों लड़कियों से महिला थाना की पुलिस पूछताछ कर रही है. खुद को पति बताने वाली लड़की ने कहा कि परिवार के लोग ताना मारते थे कि वह उसका पति है. दोनों के बीच प्यार था और वे तानों से परेशान थे. जिसके बाद दोनों ने शादी का फैसला किया.इस घटना को लेकर टाउन महिला थाना प्रभारी रूपा बाखला ने बताया कि दोनों लड़कियों के बीच शादी का मामला सामने आया है. पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है.

होली को लेकर चार दिन बंद रहेगा झारखंड सरकार का सचिवालय, विधानसभा सत्र भी स्थगित रहेगा

रांची, एजेंसी। झारखंड सहित देशभर में होली की धूम है.होली को लेकर लोग जहां तैयारियों में जुटे हैं, वहीं सरकारी छुट्टियों में भी फेरबदल कर कर्मचारियों को सरकार सहायता पहुंचा रही है.

झारखंड सरकार के सचिवालय में होली की छुट्टी चार दिनों की होगी.कार्मिक विभाग ने होली को लेकर 13-14 मार्च को सरकारी छुट्टी घोषित की है.15 शनिवार और 16 रविवार होने की वजह से लगातार चार दिनों की छुट्टी का आनंद कर्मी उठा पाएंगे. इसी तरह सरकारी बैंक में भी 13-14 मार्च को छुट्टी घोषित की गई है. हालांकि होली 15 मार्च को है. ऐसे में शनिवार होने की वजह से बैंक में भी कम ही उपस्थिति देखने को मिलेगी.

इस संबंध में झारखंड सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद कहते हैं कि सरकारी आदेश के अनुसार सचिवालय में 13-14 मार्च को होली की छुट्टी है. यह महज संयोग है कि शनिवार और रविवार होने की वजह से इसका लाभ कर्मचारियों को होली की छुट्टी के साथ मिलेगा. इधर, बैंक कर्मचारियों ने यूनियन के माध्यम से सरकार को होली की छुट्टी बिहार की तरह 14-15 मार्च को करने की मांग की है.

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र पर भी होली का असर देखने को मिल रहा है. होली के कारण विधानसभा में छुट्टी होने की वजह से सदन की कार्यवाही 12 मार्च से 17 मार्च तक स्थगित रहेगी. पिछले दिनों कमेटी की बैठक में सब समिति से निर्णय लेते हुए 17 मार्च को होने वाली सदन की कार्यवाही 22 मार्च को करने का निर्णय लिया था. 22 मार्च को शनिवार होने की वजह से पूर्व में छुट्टी निर्धारित की गई थी. गौरतलब है कि 13 मार्च को होलिका दहन होने की वजह से होली की सरकारी छुट्टी 13-14 मार्च को निर्धारित की गई थी, लेकिन होली 15 को होने की वजह से सरकारी छुट्टी में फेरबदल किया गया है.

होली पर मौसम विभाग के अनुमान ने बढ़ाई टेंशन, अलर्ट जारी

रांची, एजेंसी। एक ओर जहां झारखंड की राजधानी रांची में लोगों को दिन में गर्मी तो रात में ठंडक का अहसास हो रहा है तो दूसरी ओर अन्य जिलों में तापमान के तेवर लगातार बढ़ रहे हैं। जिस कारण राज्य के अधिकांश जिलों का तापमान मार्च की शुरुआत में ही 30 के पार पहुंच चुका है। लेकिन इस बार होली पर लोगों की टेंशन थोड़ी बढ़ने वाली है।

होली पर झारखंड का मौसम परेशान कर सकता है। रांची समेत अन्य जिलों में तापमान 35 डिग्री के पार पहुंचने की संभावना है। लोगों को इस दौरान सावधान रहने की जरूरत है। इस दौरान ज्यादा पानी और रंग खेलने से सेहत पर असर पड़ सकता है। हालांकि, इस दौरान पानी का लगातार सेवन करें।

वहीं, आसपास के जिलों की बात करें तो जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम 20.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। वहीं डाल्टेनगंज का अधिकतम 35.7 डिग्री और न्यूनतम 15.1 डिग्री, बोकारो का अधिकतम 35.5 डिग्री और न्यूनतम 18.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने लगा है। कमोबेश यही हाल अन्य जिलों का भी है।

सरायकेला खरसावां का तो 39.1 डिग्री सेल्सियस तक अधिकतम तापमान पहुंच चुका है। शुरुआती स्थिति यही रही तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि अप्रैल और मई माह में आसमान से आग बरसेंगे...। राज्य में लगातार बदल रहे मौसम के मिजाज से आमजनों की सेहत पर भी असर पड़ने लगा है।

रिम्स और सदर अस्पताल के ओपीडी में मौसमी बीमारियों से त्रस्त लोगों की संख्या भी बढ़ने लगी है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान की बात करें तो 11 से 13 मार्च तक आसमान साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा। वहीं 14 मार्च को आंशिक बादल छाए रहेंगे और मौसम शुष्क बना रहेगा।

यही स्थिति राजधानी रांची की भी बनी रहेगी। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि राज्य में अगले पांच दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे धीरे 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस सरायकेला खरसावां का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस गढ़वा का रिकार्ड किया गया। वहीं राजधानी रांची की बात करें तो अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 16.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

यात्रियों के लिए अच्छी खबर, सारंडा मेमू सहित आठ पैसेंजर ट्रेनों का शुरू हो रहा परिचालन

चक्रधरपुर, एजेंसी। दो महीनों के बाद एक बार फिर से चक्रधरपुर रेल मंडल में चलने वाली चक्रधरपुर - राउरकेला - चक्रधरपुर सारंडा मेमू सहित आठ मेमू ट्रेनों का परिचालन 11 और 12 मार्च से शुरू होगा। रेलवे ने इस संबंध में अधिसूचना पत्र जारी कर दिया है।

मेमू ट्रेनों के चलने से मंडल के दैनिक यात्रियों को इसका लाभ मिलेगी। मालूम रहे कि रेल प्रशासन ने चक्रधरपुर रेल मंडल से आठ मेमू ट्रेनों की रैक को 10 जनवरी से ही प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में यात्रियों के सुगम आवागमन के लिए भेजा था। मेमू ट्रेनों की रैक को रेल प्रशासन कुंभ स्पेशल ट्रेन के रूप में चला रही थी। कुंभ मेला के संपन्न हो जाने के बाद आठ मेमू ट्रेनों की रैक चक्रधरपुर रेलमंडल पहुंच चुकी है। इस लिए रेलवे ने चक्रधरपुर रेल मंडल में दो महीनों से निरस्त आठ मेमू ट्रेन की सेवा को फिर से बहाल कर रही है।

चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन में सोमवार की सुबह साढ़े नौ बजे के करीब उस समय यात्री परेशान हो गए जब स्टेशन के जनरल टिकट काउंटर में क्लर्क ही मौजूद नहीं था।

यही नहीं एटीवीएम में भी कोई कर्मचारी नजर नहीं आया। ऐसे में यात्रियों को जनरल

टिकट मिलना मुश्किल हो गया था। इसी दौरान ट्रेनों के चक्रधरपुर स्टेशन में आगमन का भी समय हो चुका था।

यात्रियों के पूछने पर पता चला की जनरल टिकट काउंटर के क्लर्क नाश्ता करने गए है। इधर टिकट नहीं मिलने से रेल यात्रियों का भी सब्र का बांध टूट गया।

रेल यात्रियों ने चक्रधरपुर स्टेशन में टिकट नहीं मिलने पर जमकर हंगामा मचाया। यात्रियों का कहना था कि वे ट्रेन में टिकट लेकर सफर करना चाहते है। लेकिन रेलवे की व्यवस्था इतनी खराब है की काउंटर में उन्हें टिकट देने वाला भी मौजूद नहीं है। ऊपर से एटीवीएम के कर्मी भी नहीं है। ट्रेन में सफ़र के लिए रेल टिकट नहीं मिलने से परेशान यात्रियों ने जनरल टिकट काउंटर में खाली पड़ी कुर्सियों की वीडियो भी बना डाली और पत्रकारों को भेजना शुरू कर दिया।काफी हंगामा होने के बाद रिजर्वेशन काउंटर से एक रेलकर्मी जनरल टिकट काउंटर पहुंचा और रेल यात्रियों को टिकट देना शुरू किया।

रेल यात्रियों का आरोप है कि जनरल टिकट काउंटर में क्लर्क मनमाने ढंग से काम करते है। इसके कारण उन्हें टिकट नहीं मिलता है।लोगों ने बताया की इसकी एक वजह यह भी है की चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन में राउरकेला से जिस सीआइ पीके मंडल का ट्रांसफर हुआ है। उसने अब तक चक्रधरपुर में योगदान नहीं दिया है।

लातेहार में पीएलएफआई नक्सली गिरफ्तार, इलाके में जमा रखा था आतंक

लातेहार, एजेंसी। जिला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात पीएलएफआई उग्रवादी विनोद परहिया उर्फ अर्जुन परहिया को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार उग्रवादी विनोद परहिया क्षेत्र में दहशत बना रखा था. लातेहार एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे मनिका थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है. दरअसल विनोद परहिया लातेहार जिला के मनिका, बालूमाथ, हेरहंज थाना क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के जिलों में आतंक मचा रखा था. लोगों को धमकी देकर लेवी वसूलने के साथ-साथ हिंसक घटनाओं को अंजाम देकर क्षेत्र में दहशत बनाता था.

इसी बीच लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी विनोद परहिया मनिका थाना क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने के लिए भ्रमणशील है. सूचना के बाद थाना प्रभारी शशि कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की

गई और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की गई. हालांकि पुलिस को देखकर विनोद ने भागने का प्रयास किया, पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया.इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी कुमार गौरव ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी अर्जुन उर्फ विनोद पीएलएफआई का कुख्यात उग्रवादी है.

उन्होंने बताया कि इसके खिलाफ लातेहार और आसपास के जिलों के विभिन्न थाना क्षेत्र में आठ मामले दर्ज हैं. एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी को पूर्व में भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था. लेकिन जेल से निकलने के बाद यह फिर से उग्रवादी घटनाओं में शामिल हो गया. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी के खिलाफ तीन बार कुर्की की कार्रवाई भी की गई है. इसकी गिरफ्तारी से पीएलएफआई संगठन को बड़ा नुकसान हुआ है. पुलिस नक्सलियों के खिलाफ आगे भी लगातार छापामारी अभियान जारी रखेगी. उग्रवादी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी शशि कुमार के अलावा सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार, रणधीर कुमार सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही.

विधायक सुदीप गुड़िया ने सदन में उठाया पेयजलापूर्ति का मुद्दा

कारो नदी से अवैध बालू उत्खनन पर दिखे गंभीर

खूंटी, एजेंसी। बीजेपी के कोचे मुंडा को तोरपा से हराकर बड़े अंतरों से जीत हासिल करने वाले झामुमो के विधायक सुदीप गुड़िया अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों को योजनाओं से जोड़ने और समस्याओं का समाधान के लगातार प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं. विधानसभा सत्र के शून्यकाल के दौरान सुदीप गुड़िया ने हाल ही सड़कों के निर्माण पर सवाल उठाए थे. उसके बाद खूंटी सिमडेगा पथ के निर्माण में गुणवत्ता आई. विधायक ने सोमवार को विधानसभा में तोरपा वासियों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ाने की मांग की.

विधानसभा में शून्यकाल के दौरान सुदीप गुड़िया ने तोरपा प्रखंड में पेयजलापूर्ति संकट का मुद्दा उठाया. उन्होंने बताया कि कारो नदी से तोरपा पंचायत (पूर्वी और पश्चिमी) अम्मा पंचायत, मरचा पंचायत, उड़ीकेल पंचायत और दियांकेल पंचायत के 3 हजार से ज्यादा घरों में जलापूर्ति होती है. नदी पर 2 इंटेक वेल बने हैं. तीसरा इंटेक वेल भी बनाया जा रहा है. गर्मी में नदी का जलस्तर नीचे चला जाता है. इससे जलापूर्ति प्रभावित होती है.

पानी स्टोर करने के लिए छलका डैम बनाने की मांग : विधायक सुदीप गुड़िया ने सदन में मांग रखी कि नदी में पानी स्टोर करने के लिए छलका डैम बनाया जाए, ताकि लोगों को निर्बाध जलापूर्ति मिल सके. मालूम हो कि कारो नदी में छलका डैम बनाने की मांग पिछले कई वर्षों से लंबित है. ग्रामीणों के द्वारा जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से इस बाबत मांग भी की गई है लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई.

गौरतलब है कि कारो नदी से तोरपा पंचायत (पूर्वी और पश्चिमी) अम्मा पंचायत, मरचा

पंचायत, उड़ीकेल पंचायत और दियांकेल पंचायत में बहने वाली नदियों से बालू माफिया अवैध तरीके से रेत का दोहन करते हैं. रोजना इस नदी से हजारों सीएफटी अवैध बालू उत्खनन कर तस्करी की जा रही है. समय रहते इस नदी पर अवैध बालू का उत्खनन बंद नहीं हुआ तो जल्द ही नदी का अस्तित्व पूरी तरह खत्म हो जाएगा. पूर्व में कारो नदी में करोड़ो की लागत से बने जलमीनार पानी के अभाव में बंद है.

विधानसभा में शून्यकाल के दौरान सुदीप गुड़िया ने तोरपा प्रखंड में पेयजलापूर्ति संकट का मुद्दा उठाया. उन्होंने बताया कि कारो नदी से तोरपा पंचायत (पूर्वी और पश्चिमी) अम्मा पंचायत, मरचा पंचायत, उड़ीकेल पंचायत और दियांकेल पंचायत के 3 हजार से ज्यादा घरों में जलापूर्ति होती है. नदी पर 2 इंटेक वेल बने हैं. तीसरा इंटेक वेल भी बनाया जा रहा है. गर्मी में नदी का जलस्तर नीचे चला जाता है. इससे जलापूर्ति प्रभावित होती है.

विधायक सुदीप गुड़िया ने सदन में मांग रखी कि नदी में पानी स्टोर करने के लिए छलका डैम बनाया जाए, ताकि लोगों को निर्बाध जलापूर्ति मिल सके. मालूम हो कि कारो नदी में छलका डैम बनाने की मांग पिछले कई वर्षों से लंबित है. ग्रामीणों के द्वारा जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से इस बाबत मांग भी की गई है लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई.

गौरतलब है कि कारो नदी से तोरपा पंचायत (पूर्वी और पश्चिमी) अम्मा पंचायत, मरचा पंचायत, उड़ीकेल पंचायत और दियांकेल पंचायत में बहने वाली नदियों से बालू माफिया अवैध तरीके से रेत का दोहन करते हैं. रोजना इस नदी से हजारों सीएफटी अवैध बालू उत्खनन कर तस्करी की जा रही है. समय रहते इस नदी पर अवैध बालू का उत्खनन बंद नहीं हुआ तो जल्द ही नदी का अस्तित्व पूरी तरह खत्म हो जाएगा. पूर्व में कारो नदी में करोड़ो की लागत से बने जलमीनार पानी के अभाव में बंद है.

सुभाषितम्

यदि किसी युवती के दोष जानना हों, तो उसकी सखियों में उसकी प्रशंसा करो। - बेंजामिन फ्रैंकलिन

अमेरिका के शेयर बाजार में हड़कंप

दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी का तूफान शुरू हो गया है। आने वाले कुछ ही महीनों में यह तीव्र गति से आगे बढ़ेगा। अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट का दौर शुरू हो गया है। नैस्डेक कंपोजिट 4.25 फीसदी, डाउ जॉन्स 1.83 फीसदी, एसडीपी 500 2.75 फीसदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। टेस्ला के शेयर 13.75 फीसदी गिर गए हैं। एनवीडीया के 5.5 फीसदी, एप्पल के 5.78 फीसदी, गूगल के 5.18 फीसदी, मेटा के 5.58 फीसदी तथा गोल्डमैन सैश के 5.97 फीसदी गिरावट के साथ शेयर बाजार में कारोबार हुआ है। अमेरिका के लिस्टेड शेयरों में काफी बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हतप्रभ हैं। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा है, शेयर बाजार की इस गिरावट को लेकर वह क्या बोलें। इसी तरह से भारतीय शेयर बाजार में पिछले 6 माह से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। भारतीय शेयर बाजार 19 साल बाद अमेरिकी शेयर बाजार से सस्ते हो गए हैं। 2009 के वैल्यूएशन के अनुसार पहली बार डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल का एवरेज भारतीय शेयर बाजार पिछले 1 साल में 21.8 गुना कारोबार कर रहा है। जबकि डाउ जॉन्स 22.4 गुना कारोबार कर रहा है। भारतीय शेयर बाजार को थामने के लिए सरकार और वित्तीय संस्थाओं द्वारा पिछले कुछ समय पहले जो प्रयास किए गए थे। वह सब शेयर बाजार की गिरावट मे पूंजी डालने के कारण जिस तरह कीचड़ में पानी डालने से कीचड़ बढ़ता है। शेयर बाजार में पूंजी डालने के कारण जो पैसा शेयर बाजार में डाला गया, वह भी बिकवाली के कारण बाजार से निकल गया। विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार बिकवाली कर रहे हैं। अक्टूबर 2024 के बाद से विदेशी निवेशकों ने भारत में फाइनेंशियल सर्विसेज, आयल ऐंड गैस, ऑटोमोबाइल, एमएफजी, कंज्यूमर सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और पावर सेक्टर में लगातार बिकवाली की है। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर 2024 के बाद से अभी तक 2 लाख करोड़ से ज्यादा की बिकवाली की है। भारतीय शेयर बाजार में लार्ज मिडकैप और स्मॉलकैप के शेयरों की बड़े पैमाने पर बिकवाली शुरू हो गई है। देसी निवेशक भी शेयर बाजार से भयभीत हैं। वह भी अपने शेयर बेचकर बाहर निकलना चाहते हैं। स्मॉल कैप और मिड कैप के शेयर अपनी फेस वैल्यू पर पहुंच रहे हैं। जिसके कारण देसी निवेशकों का हौसला पूरी तरह से टूट गया है। अमेरिका से शुरू हुए टैरिफ बार ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को तहश-नहश करने का काम किया है। आर्थिक मंदी के इस दौर में अमेरिका ने जो टैरिफ बार शुरू किया है, उसका खामियाजा अब अमेरिका को भी भुगतना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार एलन मस्क को ऐसा खामियाजा भुगतना पड़ेगा, इसका एहसास तो उन्हें भी नहीं रहा होगा। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार सारी दुनिया के देश इस समय कर्ज की समस्या से जूझ रहे हैं। कर्ज के कारण दुनिया भर के आम आदमी से लेकर दुनिया की सभी सरकारें कर्ज और ब्याज से परेशान हैं। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया की तर्ज पर, पिछले 30 सालों से कर्जा लेकर घी पीने की पूंजीवादी अर्थव्यवस्था समाप्त होने की कगार पर है। दुनिया के देशों में महंगाई-बेरोजगारी की समस्या दिनों-दिन बढ़ती ही चली जा रही है। जिसके कारण सरकारों के खिलाफ आम जनता नाराज होकर सड़कों पर आने लगी है। निम्न एवं मध्यम वर्ग के पास खर्च करने के लिए पैसा नहीं है, जिसके कारण औद्योगिक उत्पादन भी घटता चला जा रहा है। दुनिया भर की सरकारों ने पिछले 30 सालों में बहुत टैक्स बढ़ाया है। पिछले 30 वर्षों में सरकारों ने अपने खर्च भी बढ़ाए थे। अब कर्ज नहीं मिल रहा है। ब्याज के बोझ से दबकर खर्च करने लायक पैसे भी नहीं बचे हैं। अमेरिकी सरकार को भी अपने कर्ज और खर्च घटाने के लिए जो प्रयास करने पड़ रहे हैं, इसका असर अमेरिका पर पड़ रहा है। इसकी शुरूआत में ही बड़ा खामियाजा अमेरिका को भुगतना पड़ रहा है। आसानी से समझा जा सकता है, कि आने वाले कुछ महीनो के अंदर ही पूरी दुनिया के देश, आर्थिक मंदी के शिकार होने जा रहे हैं।

चिंतन-मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते। बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा वास यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं ।

मृत्यु अनसुलझे रहस्यों में से एक

-संजय गोस्वामी

जीवन की कार्यप्रणाली के बारे में विज्ञान ने जो कुछ भी सीखा है, उसके बावजूद मृत्यु अब भी अनसुलझे रहस्यों में से एक है। दार्शनिक विलियम जेम्स ने 1909 में लिखा था, कभी-कभी मैं यह मानने के लिए ललचाता हूँ कि सृष्टिकर्ता ने प्रकृति के इस विभाग को हमेशा भ्रमित बनाये रखने का इरादा किया है, ताकि हमारी जिज्ञासा और आशाओं और संदेहों को समान रूप से उत्तेजित किया जा सके।बोर्जिगिन ने 2015 में जो प्रश्न पहली बार पूछा था - कि मृत्यु के समय मस्तिष्क में क्या होता है - वह एक चौथाई सहस्राब्दी पहले का है। सन् 1740 के आसपास, एक फ्रांसीसी सैन्य चिकित्सक ने एक प्रसिद्ध औषधि विक्रेता के मामले की समीक्षा की, जो ह्लबुरी बुखारह्व और बहुत अधिक रक्तस्राव के कारण बेहोश हो गया था और उसे लगा कि वह धन्य लोगों के राज्य में चला गया है। डॉक्टर ने अनुमान लगाया कि फार्मासिस्ट की यह दुर्घटना मस्तिष्क में रक्तस्राव के कारण हुई थी। लेकिन उस प्रारंभिक रिपोर्ट से लेकर 20वीं सदी के मध्य तक, निकट-मृत्यु अनुभवों में वैज्ञानिक रुचि कम नहीं हुई थी।1892 में, स्विस पर्वतारोही और भूविज्ञानी अल्बर्ट हेम ने 30 अन्य पर्वतारोहियों के निकट-मृत्यु अनुभवों का पहला व्यवस्थित विवरण एकत्र किया, जो लगभग मरणासन्न स्थिति में पहुंच गये थे। हेम लिखते हैं कि कई मामलों में, पर्वतारोहियों को अचानक ही सब कुछ याद आ जाता है जो बीत चुका है, उन्हें सुन्दर संगीत सुनाई देता है, और वे गुलाबी बादलों वाले नीले आकाश में गिर जाते हैं। इसके बाद चेतना बिना किसी दर्द के समाप्त हो जाती थी, आमतौर पर प्रभाव के क्षण में। 20वीं सदी के आरंभ में अनुसंधान के कुछ अन्य प्रयास भी हुए, लेकिन निकट-मृत्यु अनुभव को वैज्ञानिक तरीके से समझने में बहुत कम प्रगति हुई। फिर, 1975 में अमेरिकी मेडिकल छात्र रेमंड मूडी ने लाइफ आफ्टर लाइफ नामक पुस्तक प्रकाशित की। 1976 में, न्यूयॉर्क टाइम्स ने ह्लमृत्यु के बाद जीवनह्व और ह्लथानाटोलॉजी के उभरते क्षेत्रह्व में बढ़ती वैज्ञानिक रुचि पर रिपोर्ट दी। अगले वर्ष, मूडी और कुछ अन्य थेनेटोलॉजिस्टों ने मिलकर इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर नियर-डेथ स्टडीज की स्थापना की। 1981 में, उन्होंने वाइटल साइन्स नामक एक सामान्य पाठकों की पत्रिका का पहला अंक प्रकाशित किया, जो

मुख्यतः निकट-मृत्यु अनुभवों पर केन्द्रित थी। अगले वर्ष उन्होंने इस क्षेत्र की पहली समकक्ष-समीक्षित पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया, जो जर्नल ऑफ नियर-डेथ स्टडीज बन गयी। यह क्षेत्र बढ़ रहा था, तथा वैज्ञानिक सम्मान की स्थिति प्राप्त कर रहा था। 1988 में इसके विकास की समीक्षा करते हुए, ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकियाट्री ने इस क्षेत्र की जीवंतता को व्यक्त कियाः बड़ी आशा व्यक्त की गई है कि, एन.डी.ई. अनुसंधान के माध्यम से, मानव मृत्यु दर के स्थायी रहस्य और इसके अंतिम महत्व के बारे में नई अंतर्दृष्टि प्राप्त की जा सकती है, और पहली बार, मृत्यु की प्रकृति के बारे में ठोस अंतर्दृष्टि प्राप्त की जा सकती है।लेकिन लगभग मारे गए लोग पहले ही कई विचारधाराओं में बंट चुके थे, जिनके मतभेद आज भी जारी हैं। एक अन्य प्रभावशाली समूह अध्यात्मवादियों से बना था, जिनमें से कुछ इंजील ईसाई थे, जो इस बात पर आश्वस्त थे कि मृत्यु के निकट के अनुभव, मृतकों और ईश्वर के दायरे में वास्तविक यात्राएं थीं। शोधकर्ताओं के रूप में, माध्यमों का लक्ष्य निकट-मृत्यु अनुभवों के बारे में यथासंभव अधिक से अधिक रिपोर्ट एकत्र करना, तथा जनता को मृत्यु के बाद के जीवन की वास्तविकता से परिचित कराना था। मूडी उनके सबसे महत्वपूर्ण प्रवक्ता थे; अंततः उन्होंने दावा किया कि उनके कई पूर्वजन्म हो चुके हैं और उन्होंने ग्रामीण अलबामा में एक साइकोमैनटेम का निर्माण किया, जहां लोग प्रकाशित दर्पण में देखकर मृतकों की आत्माओं को बुलाने का प्रयास कर सकते थे।शोधकताओं का दूसरा और सबसे बड़ा समूह, जो लगभग मर ही गया था, परामनोवैज्ञानिकों का था, जिनकी रुचि ऐसी घटनाओं में थी जो इस वैज्ञानिक सिद्धांत को कमजोर करती प्रतीत होती थी कि मस्तिष्क के बिना मन का अस्तित्व नहीं हो सकता। ये शोधकर्ता, जिनमें से कई अच्छी तरह से स्थापित अनुसंधान विधियों का पालन करने वाले प्रशिक्षित वैज्ञानिक थे, अक्सर यह मानते थे कि मृत्यु के निकट के अनुभव इस बात का प्रमाण प्रदान करते हैं कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी चेतना जारी रह सकती है। उनमें से अधिकांश डॉक्टर और मनोचिकित्सक थे, जो यह समाचार सुनकर बहुत आहत हुए कि जिन मरीजों का वे आईसीयू में इलाज कर रहे थे, वे मृत्यु के करीब थे। उनका लक्ष्य चेतना के अपने सिद्धांतों का परीक्षण करने के तरीके खोजना तथा निकट-मृत्यु संबंधी अध्ययनों को एक वैध वैज्ञानिक प्रयास में बदलना था।अंततः, लगभग मृत शोधकताओं का एक छोटा समूह उभरा, जिन्हें भौतिकवादी कहा जा सकता है। ये वे वैज्ञानिक थे, जिनमें से कई मस्तिष्क का अध्ययन कर रहे थे, और जो निकट-मृत्यु अनुभव के एक मजबूत जैविक विवरण के लिए प्रतिबद्ध थे। प्रकृतिवादियों का तर्क है कि सपनों की तरह, मृत्यु के निकट के अनुभव भी मनोवैज्ञानिक सत्य को उजागर कर सकते हैं, लेकिन वे ऐसा शरीर और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली से उत्पन्न काल्पनिक कथाओं के माध्यम से करते हैं। (वास्तव में, कई राज्यों ने लगभग मृत्यु की सूचना दी है (यह केटामाइन की एक खुराक लेने से प्राप्त किया जा सकता है।) उनका आधार यह थाः कार्यशील मस्तिष्क का अर्थ है चेतना का अभाव, और निश्चित रूप से मृत्यु के बाद जीवन का अभाव। उनका मिशन, जिसे बोर्जिगिन ने 2015 में संभाला था, यह पता लगाना था कि मौलिक भौतिक स्तर पर निकट-मृत्यु अनुभवों के दौरान क्या होता है।धीरे-धीरे, अध्यात्मवादियों ने शोध के क्षेत्र को छोड़ कर रेडियो टॉक शो की ऊंचाइयों की तलाश शुरू कर दी, और परामनोवैज्ञानिकों और भौतिकवादियों ने मृत्यु के अध्ययन को मुख्यधारा के विज्ञान के करीब लाना शुरू कर दिया। 1975 के बीच, जब मूडी ने लाइफ आफ्टर लाइफ प्रकाशित की, और 1984, वैज्ञानिक साहित्य के पबमेड डेटाबेस में केवल 17 लेखों में मृत्यु की घटनाओं का उल्लेख किया गया। अगले दशक में इनकी संख्या 62 हो गयी।

भारतीय समाज में मासिक धर्म अभी तक कलंकित क्यों?

-प्रियंका सौरभ/ ईएमएस)

भारत के पास मासिक धर्म स्वास्थ्य के प्रति अधिक समावेशी और दूरदर्शी दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए सांस्कृतिक विचारों का सम्मान करने का अवसर है। आपके क्या विचार हैं-क्या सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए, या जमीनी स्तर के संगठनों को बदलाव लाने में आगे आना चाहिए? मासिक धर्म से जुड़ा कलंक कई संस्कृतियों में मौजूद है, जो सांस्कृतिक वर्जनाओं, गलत सूचनाओं और प्रणालीगत लैंगिक असमानता से प्रेरित है। इसके परिणामस्वरूप गंभीर मुद्दे सामने आते हैं, जैसे मासिक धर्म उत्पादों तक सीमित पहुँच, अपर्याप्त शिक्षा और यहाँ तक कि कुछ समुदायों में सामाजिक बहिष्कार। इस कलंक को खत्म करने के लिए, हमें खुली चचाओं को प्रोत्साहित करने, मासिक धर्म के बारे में पूरी तरह से शिक्षा प्रदान करने और मासिक धर्म समानता को बढ़ावा देने वाले नीतिगत बदलावों को लागू करने की आवश्यकता है।

मासिक धर्म कई संस्कृतियों में एक वर्जित विषय बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण लंबे समय से चली आ रही सांस्कृतिक मान्यताएँ, अपर्याप्त खुली बातचीत और लैंगिक असमानता है। इसके परिणामस्वरूप शर्म, गोपनीयता और मासिक धर्म स्वास्थ्य के बारे में आवश्यक संसाधनों और शिक्षा तक सीमित पहुँच की भावनाएँ पैदा होती हैं। भारत में, मासिक धर्म को अक्सर महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक वर्जनाओं से जोड़ा जाता है, जिससे बहिष्कार, गलत सूचना और प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव हो सकते हैं। हालाँकि प्रगतिशील नीतियाँ पेश की जा रही हैं, लेकिन सफल कार्यान्वयन के लिए इन्हें सांस्कृतिक संवेदनशीलताओं के साथ जोड़ना महत्त्वपूर्ण है।

महिलाओं को अक्सर मंदिरों, रसोई और सामाजिक समारोहों जैसी जगहों पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है, जो भेदभाव को बढ़ावा देता है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट के सबरीमाला फैसले ने मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को हटा दिया, लेकिन इसे सांस्कृतिक मान्यताओं में निहित काफी विरोध का सामना करना पड़ा। मासिक धर्म के बारे में खुली चर्चा की कमी स्वास्थ्य मामलों में मिथकों और उपेक्षा को बढ़ावा देती है। ग्रामीण भारत में केवल 58% युवा लड़कियों को अपने पहले मासिक धर्म का अनुभव करने से पहले मासिक धर्म के बारे में जानती है। शौचालय, स्वच्छता उत्पादों और उचित निपटान विधियों तक अपर्याप्त पहुँच से भी जूझती हैं। जबकि 2014 में शुरू किए गए स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता में प्रगति की है, मासिक धर्म अपशिष्ट निपटान एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। स्वच्छता उत्पादों की उच्च लागत कई लोगों को असुरक्षित विकल्पों का सहारा लेने के लिए मजबूर करती है। 2022 में शुरू की गई राजस्थान निःशुल्क सैनिटरी पैड योजना का उद्देश्य मासिक धर्म गरीबी से निपटने के लिए निःशुल्क पैड उपलब्ध कराना है। हालाँकि, राजनीतिक एजेंडों में मासिक धर्म स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जाती है, जो व्यापक सुधारों में बाधा डालता है। मासिक धर्म स्वच्छता नीति (ड्राफ्ट 2022) को अभी भी पूरे देश में पूरी तरह से लागू किया जाना बाकी है।

मासिक धर्म के बारे में जागरूकता को राज्य के पाठ्यक्रमों में शामिल करने से इस विषय पर बातचीत को सामान्य बनाने में मदद मिल सकती है। मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिशानिर्देश प्राथमिक विद्यालय स्तर से मासिक धर्म शिक्षा की वकालत करते हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और सामुदायिक नेताओं को प्रशिक्षित करके, हम अधिक स्वीकृति को बढ़ावा दे सकते हैं। मासिक धर्म स्वास्थ्य गठबंधन भारत (2020) जागरूकता बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर के संगठनों के साथ सहयोग करता है। सार्वजनिक हस्तियाँ और मीडिया सकारात्मक संदेश के माध्यम से कलंक का मुकाबला करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। चुप्पी तोड़ो अभियान (2021, यूनिसेफ इंडिया) ने जागरूकता फैलाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। मासिक धर्म स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए, स्कूलों और कार्यस्थलों में निपटान विकल्पों के साथ अधिक लिंग-अनुकूल शौचालयों सहित (जल, स्वच्छता और स्वच्छता) सुविधाओं को सुनिश्चित करना आवश्यक है। मासिक धर्म उत्पादों पर सरकारी सब्सिडी और जीएसटी छूट से पहुँच में काफी सुधार हो सकता है। 2018 में सैनिटरी पैड पर 12% जीएसटी हटाने से वे अधिक किफायती हो गए। बायोडिग्रेडेबल पैड और मासिक धर्म कप को बढ़ावा देना पर्यावरण और सांस्कृतिक दोनों चिंताओं को सम्बोधित करता है। सखी सैनिटरी नैपकिन पहल (ओडिशा, 2021) बायोडिग्रेडेबल पैड के स्थानीय उत्पादन का समर्थन करती है।

मासिक धर्म स्वास्थ्य को स्वास्थ्य के अधिकार (अनुच्छेद 21) के तहत मान्यता दी जानी चाहिए और श्रम कानूनों में शामिल किया जाना चाहिए। मासिक धर्म लाभ विधेयक (2018, निजी सदस्य विधेयक) ने मासिक धर्म अवकाश का भुगतान करने का प्रस्ताव रखा, लेकिन इसे सरकारी समर्थन नहीं मिला। कंपनियों को मासिक धर्म अवकाश का भुगतान करना चाहिए और कार्यस्थल स्वच्छता सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए। जोमैटो ने 2020 में मासिक धर्म अवकाश की शुरूआत करके निजी क्षेत्र में एक मिसाल कायम की। सैनिटरी उत्पाद निमार्ताओं के लिए विस्तारित निमार्ता जिम्मेदारी मानदंडों को लागू करने से कचरे में कमी लाने में मदद मिल सकती है। मासिक धर्म के बारे में बातचीत को बदलने के लिए स्थानीय नेताओं, बुजुर्गों और धार्मिक हस्तियों को शामिल करने वाली समुदाय-आधारित पहल विकसित करें। मासिक धर्म स्वास्थ्य के बारे में चर्चा को और अधिक सामान्य बनाने के लिए शैक्षिक सेटिंग्स और मीडिया में सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त संदेश का उपयोग करें। अधिक समावेशी संवाद बनाने के लिए जागरूकता प्रयासों में पुरुषों और लड़कों को शामिल करें। सैनिटरी उत्पादों पर करों को समाप्त करके और यह सुनिश्चित करके मासिक धर्म स्वास्थ्य नीतियों को बढ़ावा दें कि वे स्कूलों, कार्यस्थलों और ग्रामीण समुदायों में आसानी से उपलब्ध हों।

कार्यस्थल की नीतियों को लागू करें जो मासिक धर्म वाले व्यक्तियों को समायोजित करती हैं, जैसे कि मासिक धर्म अवकाश और स्वच्छ शौचालय तक पहुँच प्रदान करना। सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान करने वाले तरीके से स्कूली कार्यक्रमों में मासिक धर्म शिक्षा को शामिल करें। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसे सरकारी प्रयासों को व्यापक बनाएँ, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मुफ्त या रियायती सैनिटरी पैड प्रदान करें। पर्यावरण और वित्तीय पहलुओं पर विचार करते हुए, पुनः प्रयोज्य कपड़े के पैड और मासिक धर्म कप जैसे टिकाऊ और लागत प्रभावी मासिक धर्म उत्पादों के उपयोग की वकालत करें। हानिकारक मासिक धर्म मिथकों को दूर करने के लिए बॉलीवुड, सोशल मीडिया प्रभावितों और टेलीविजन शो का उपयोग करें। पैडमैन जैसी फिल्मों ने महत्त्वपूर्ण चचाओं को जन्म दिया है-इस तरह की और पहल आवश्यक हैं।

ना-रंगी जमात की औरंगी सियासत

-राकेश अचल

सियासत का कोई एक रंग होता तो उसे आसानी से पहचाना जा सकता था,लेकिन मुल्क की सियासत तो बहुरंगी है। इन तमाम रंगों के बीच एक रंग ऐसा है जो नारंगी होकर भी ना-रंगी है। इस ना-रंगी सियासत की जमात अलग है। फर्जी की तरह टेढ़ी-टेढ़ी चलती है ,जैसे प्यादे से फर्जी होकर फर्जी चलता है। मेरा ख्याल है कि अब आप समझ गए होंगे कि मैं किस सियासत की और किस जमात की बात कर रहा हूँ ? दरअसल मुल्क में ना-रंगी सयासत ने नैतिकता की तमाम हदों को पार कर लिया है और अब नारंगी सियासत मुल्क में औरंगी सियासत पर उतर आयी है। औरंगी यानी औरंगजेबी सियासत। अब नारंगी सियासत चाहती है कि इस मुल्क के इतिहास से न सिर्फ औरंगजेब को बल्कि इस मुल्क की धरती पर बनी औरनग्जेब की कब्र को भी तखलिया कह दिया जाये,ताकि न रहे बांस और न बजे बांसुरी। नारंगी सियासत को लगता है कि जब तक इस मुल्क की जमीन पर औरंगजेब का नाम लेने वाली किताबें और लोग रहेंगे तब तक इस देश में नारंगियों की सियासत कामयाब नहीं हो सकती। नारंगी सियासत देश की अर्थव्यवस्था की दयनीय हालत, किसानों के आंदोलन, कुपोषण, गरीबी से परेशान नहीं है। उसे परेशानी नहीं है दुनिया के आधुनिक औरंगजेबों से जो मुल्क कि अस्मिता और समरभूता कि धज्जियां उदा रहे हैं। उसे परेशान किये हुए है चैन से दो गज जमीन के नीचे 300 साल से सोया हुआ औरंगजेब। वो औरंगजेब जो इसी मुल्क की सरजमीं पर पैदा हुआ और इसी मुल्क की सरजमीं में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। तीन सौ साल पहले चूंकि इस मुल्क में कोई नारंगी सियासत करने वाला नहीं था इसलिए औरंगजेब को दो गज जमीन भी मिल गयी वरना यदि औरंगजेब आज मरता तो उसे दफन होने के लिए बहादुर शाह जफर की तरह रंगून या एमएफ हुसैन की तरह कुवैत ले जाना पड़ता। क्योंकि नारंगी सियासत में औरंगी सियासत के लिए कोई जमीं नहीं है । ताजा खबर ये है कि ना-रंगी बिर्गेड मुगल सम्राट रहे औरंगजेब की कब्र तक खोद कर फेंक देना चाहती है। नारंगी ब्रिगेड की मांग पर महाराष्ट्र की महान सरकार कानूनी रास्ते भी खोजने में लग गयी है। औरंगजेब की कब्र पुराने औरंगाबाद में है, जिसे नारंगी ब्रिगेड ने बदलकर छत्रपति संभाजी नगर कर दिया है। अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी इस मामले पर बयान दिया है। फडणवीस ने कहा है कि सभी का मानना ?है कि छत्रपति संभाजीनगर में स्थित औरंगजेब की मजार को हटाया जाना चाहिए, लेकिन यह काम कानून के दायरे में किया जाना चाहिए।महाराष्ट्र की सतारा सीट से भाजपा के सांसद और मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोसले ने छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित औरंगजेब के मजार को हटाने की मांग की थी। उदयनराजे से पहले उनके तमाम पुरखों के दिमाग में ये हल्का ख्याल कभी नहीं आया। वे बीती ताहि बिसार दे के सिद्धांत पर अमल करते रहे। इस शानदार मुल्क में नारंगी ब्रिगेड लम्बे इन्तजार के बाद सत्ता में आयी है। उसके दोनों और बैशाखियाँ लगीं हैं, लंगड़ाकर चलती है लेकिन अपनी हरकतों से बाज नहीं आना चाहती नारंगी ब्रिगेड। मुल्क के अमनो-अमान से उसे शायद चिढ है। नारंगी ब्रिगेड का ख्वाब तो इस मुल्क से 20 करोड़ मुसलमानों को देश निकला देने का है लेकिन वो ऐसा दस साल में नहीं कर पायी।

आज का राशिफल

मेष आपके करियर में तरक्की के सुनहरे अवसर आएंगे और आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

वृषभ आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी नई योजनाएं पूर्ण होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

मिथुन आज दिन रचनात्मक कार्यों के लिए बेहतरीन है। आप अपने पसंदीदा काम में व्यस्त रहेंगे।

कर्क आज मेहनत रंग लाएगी और करियर में सफलता मिलेगी। अधूरे काम पूरे होंगे।

सिंह दिन व्यस्त रहेगा, लेकिन करियर में लाभ होगा। छात्रों को पढ़ाई के लिए समय निकालना चाहिए।

कन्या आज का दिन चुनौतीपूर्ण रहेगा। आपको कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं।

तुला करियर में लाभदायक दिन है। रुके हुए काम पूरे होंगे और कार्यक्षेत्र से जुड़े विवाद सुलझेंगे।

वृश्चिक आज करियर में लाभ होगा, लेकिन आर्थिक मामलों में थोड़ी परेशानी आ सकती है।

धनु सावधानी से काम करने की जरूरत है। व्यापार में थोड़ा जोखिम उठाने से लाभ हो सकता है।

मकर साझेदारी में किया गया व्यापार फायदेमंद रहेगा। घरेलू कामों को निपटाने में समय बीतेगा।

कुंभ आज किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने से आपको लाभ होगा और आपकी तरक्की होगी।

मीन आज दिन लाभदायक रहेगा, लेकिन व्यापार में जोखिम उठाने से नुकसान हो सकता है।

विशेष

विश्व गुरु कौन भारत या अमेरिका?

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्व गुरु का दर्जा देकर अपने आप को विश्व गुरु मान लिया था। विश्व गुरु के रूप में भारत के साथ-साथ विदेश में अप्रवासी भारतीयों के बीच में मोदी को विश्व गुरु बताया जा रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने विदेश के दौर में अमेरिका के राष्ट्रपति की तरह ही व्यवहार करने लगे थे। ट्रंप जैसे ही अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने। उसके बाद डोनाल्ड ट्रंप अपने आपको और अमेरिका को विश्व गुरु की पहचान बनाए रखना चाहते हैं। डोनाल्ड ट्रंप और उनके परम मित्र नरेंद्र मोदी की, विश्व गुरु की इस लड़ाई में भारत को सुंयोजित रूप से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपमानित कर रहे हैं। चाह कर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। जिसके कारण मोदी अपमानित हो रहे हैं। मजबूरी में चुप्पी साध कर समय का इंतजार कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बनेंगे, इसका अंदाजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं था। लेकिन अब क्या किया जा सकता है।

तेजस्वी के खिलाफ लड़ेंगे प्रशांत

भारत में चुनाव रणनीतिकार के रूप में पहचान बनाने वाले प्रशांत किशोर,बिहार विधानसभा के चुनाव में तेजस्वी यादव के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। राघोपुर विधानसभा सीट से वह तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव लड़कर पूरे बिहार में राष्ट्रीय जनता दल को नुकसान पहुंचाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। तेजस्वी यादव को घेरने, ताकि वह चुनाव प्रचार नहीं कर पाएं। सुनयोजित रणनीति के तहत तेजस्वी यादव के लिए चक्रव्यूह तैयार कर लिया गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1664 : तुर्की और रोम के बीच युद्ध समाप्त हुआ। 1787 : तुर्की ने रूस के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1842 : ब्रिटेन में बाल श्रमिकों को खान के भीतर काम करने से रोकने के लिए कानून बना। 1874 : अमरीकी राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर का जन्म। 1894 : राष्ट्रपति वी.वी.गिरी का जन्म। 1904: बोर्टआर्थर के पाए जापानी नौ सेना ने रूसी बेड़े को तबाह कर दिया। 1913 : बाल्कन युद्ध समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर हुए. 1944 : फ्रांस ने आस्ट्रिया हंगरी के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1945: द्वितीय विश्व युद्ध में जापान ने आत्मसमर्पण की पेशकश की। 1962 : निरस्त्रीकरण के किसी समझौते की शर्त के रूप में अमरीकी निरीक्षण की योजना को सोवियत संघ ने ठुकरा दिया। 1979 : भारतीय उपग्रह रोहिणी आर एस.1 का श्री हरिकोटा से असफल परीक्षण।

दैनिक पंचांग

12 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.23 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	07.53 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.34 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.32 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.45 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.01 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.13 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.24 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.39 ब.से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		धनु	00.55 बजे से
		मकर	03.00 बजे से
		कुंभ	04.46 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 71 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 09.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 04.06 बजे रात्र को समाप्त।
योग सुकर्मा 13.00 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 09.12 बजे तदनन्तर गर 21.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 18'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872281
जूलियन दिन 2460746.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान
तारीख 11
विशेष मासी मागम।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

बेहद अनोखा है तुर्किए का अंडरवाटर म्यूज़ियम अंताल्या

म्यूजियम ये नाम सुनते ही दिमाग में पुरानी चीज़ों को सहेजकर रखने वाली जगहों का ध्यान आता है। हालांकि बदलते समय के साथ अब म्यूज़ियम्स में आकर फन और एडवेंचर का एक्सपीरियंस भी लिया जा सकता है।

आपने म्यूज़ियम तो बहुत देखें होंगे लेकिन कभी सोचा है कि पानी के अंदर भी म्यूज़ियम हो सकता है? तुर्किए का पहला अंडरवाटर म्यूज़ियम देखने लायक है। साइड अंडरवाटर म्यूज़ियम अंताल्या के मानवघाट जिले के साइड शहर में है। यह म्यूज़ियम तट से 1.5 मील दूर और 12-20 मीटर की औसत गहराई पर है। इस म्यूज़ियम में 117 मूर्तियां हैं।
ये मूर्तियां ऐसी सामग्रियों से बनी है, जो कि पानी के अंदर सुरक्षित रह सकती हैं। वे समुद्री जीवों को नुकसान पहुंचाए बिना वहां रह सकती है। यह म्यूज़ियम मेक्सिको में मैक्सिकन अंडरवाटर म्यूज़ियम के बाद दूसरे स्थान पर है, जो 400 मूर्तियों के साथ पहले स्थान पर है। म्यूज़ियम में आने वाले लोगों के पास प्रोफेशनल डाइविंग सर्टिफिकेट होना ज़रूरी है।

बिहार की सोन भंडार गुफा में छिपा है सोने का खजाना

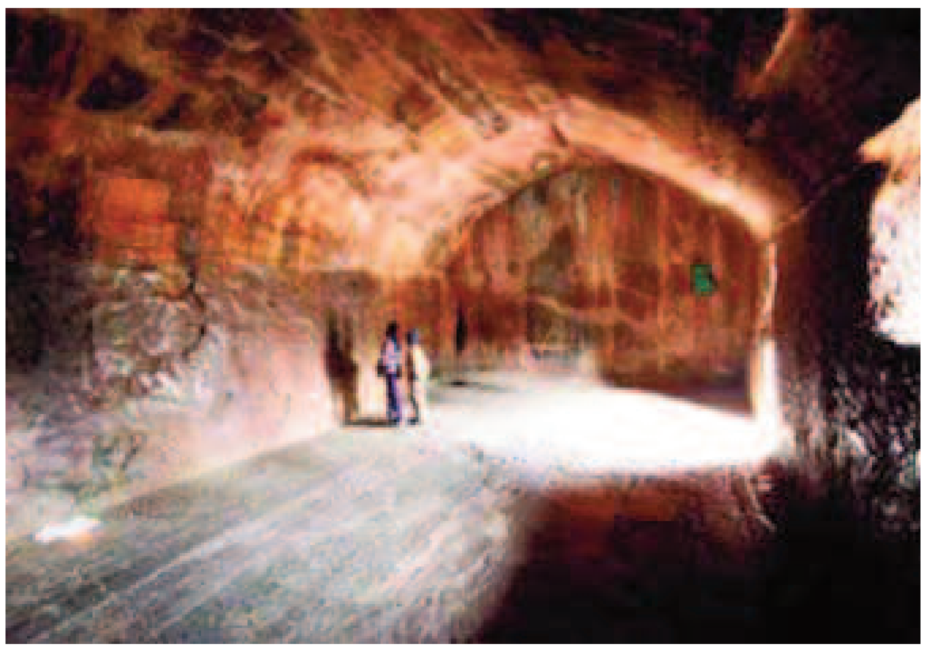

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में मिला सोने का भंडार अब पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। लेकिन क्या आपको पता है कि बिहार में भी एक जगह सोने का भंडार है, लेकिन वहां से सोना निकालना लगभग नामुमकिन है। दरअसल, वहां एक रहस्यमय दरवाजा है, जिसे आजतक कोई भी खोल नहीं पाया है। कई बार इसे खोलने की कोशिश की गई, लेकिन हर बार नाकामी ही हाथ लगी।

सोने का यह भंडार बिहार के राजगीर में एक गुफा के अंदर है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें मगध साम्राज्य के सम्राट यानी मौर्य शासक बिम्बिसार का बेशकीमती खजाना छुपा है, जिसे आज तक कोई नहीं खोज पाया है। इसे सोन भंडार के नाम से जाना जाता है। दरअसल, राजगीर प्राचीन समय में मगध की राजधानी था। यही पर भगवान बुद्ध ने बिम्बिसार को धर्मोपदेश दिया था। यह शहर भगवान बुद्ध से जुड़े स्मारकों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। हालांकि कुछ लोग इस खजाने को पूर्व मगध सम्राट जरासंघ का भी बताते हैं, लेकिन वहां इस बात के प्रमाण ज्यादा हैं कि यह खजाना बिम्बिसार का ही है, क्योंकि इस गुफा से कुछ दूरी पर उस जेल के अवशेष हैं, जहां अजातशत्रु ने अपने पिता बिम्बिसार को बंदी बना कर रखा था। सोन भंडार गुफा में प्रवेश करते ही पहले एक बड़ा सा कमरा आता है। कहते हैं कि यह कमरा खजाने की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए बनाया गया था। इसी कमरे की पिछली दीवार से खजाने तक पहुंचने का रास्ता बना हुआ है, जिसका द्वार एक पत्थर के दरवाजे से बंद किया हुआ है। इस दरवाजे को आज तक कोई नहीं खोल पाया है। गुफा की एक दीवार पर शंख लिपि मे कुछ लिखा हुआ है जो आज तक पढ़ा नहीं जा सका है। कहा जाता है कि इसमें ही खजाने के दरवाजे को खोलने का तरीका लिखा हुआ है, लेकिन इस लिपि को पढ़ने में दुनियाभर के लोग नाकाम रहे हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि बिम्बिसार के खजाने तक पहुंचने का रास्ता वैभवगिरी पर्वत सागर से होकर सप्तपर्णी गुफाओं तक जाता है, जो सोन भंडार गुफा की दूसरी ओर पहुंचती है।

कहा जाता है कि अंग्रेजों ने एक बार तोप से खजाने के दरवाजे को तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन वो इसे तोड़ नहीं पाए। तोप के गोले के निशान आज भी दरवाजे पर मौजूद हैं।

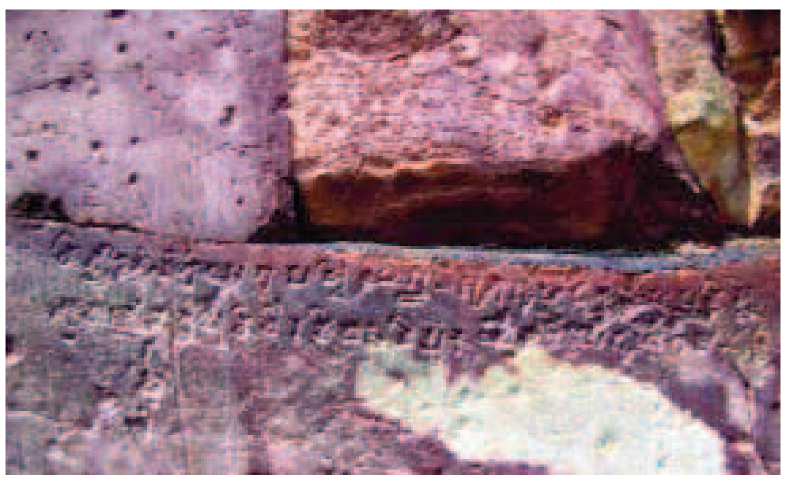

बिम्बिसार की पत्नी ने छिपाया था खजाना

भारत विविधताओं वाला देश है। उत्तर में हिमालय है तो दक्षिण में कन्याकुमारी है। पश्चिम में कच्छ है तो पूर्व में बंगाल की खाड़ी है। इसके साथ ही कई ऐसे रहस्यमयी स्थान है जो विज्ञान के लिए आज भी पहेली बनी हुई है। इन पहेलियों में एक पहेली सोन भंडार है जो कि बिहार राज्य के राजगीर में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि इस जगह पर सोने का खजाना है, जिसे हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार की पत्नी ने छिपा रखा है। आज तक कोई इस खजाना तक नहीं पहुंच पाया है। अंग्रेजों ने एक बार कोशिश भी की थी, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाए थे।
यह स्थान बिहार राज्य के राजगीर में स्थित है। इतिहास की माने तो हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार को सोने चांदी से बेहद लगाव था। इसके लिए वह सोना और उसके आभूषणों को इकट्ठा करते रहते थे। उनकी कई रानियां थी, जिनमें एक रानी बिम्बिसार की पसंद का पूरा ख्याल रखती थी। जब अजातशत्रु ने अपने पिता को बंदी बना लिया और कारागार में डाल दिया। तब बिम्बिसार की पत्नी ने राजगीर में यह सोन भंडार बनवाया था। इस गुफा में राजा द्वारा इकट्ठा किए गए सभी खजानों को छिपा दिया गया था। आज तक यह गुफा विज्ञान के लिए पहेली है। इस गुफा में दो बड़े कमरे एक समान बनाए गए थे। एक गुफा में सैनिक रहते थे। जबकि दूसरे कमरे में खजानों को छिपाया गया था। इस कमरे को एक बड़े से चट्टान से ढका गया है, जिसे आज तक कोई खोलने में कामयाब नहीं हो पाया है। इस दरवाजे पर शंख लिपि में कुछ लिखा है। इस बारे में कहा जाता है कि अगर कोई इस लिपि को पढ़ने में सफल हो जाता है तो वह सोन भंडार को खोल सकता है। आजादी से पूर्व अंग्रेजों ने एक बार तोप से इस दरवाजे को उड़ाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें इसमें सफलता नहीं मिली। इसके बाद से किसी ने दरवाजे को खोलने की कोशिश नहीं की है।

अंग्रेजों ने की थी तोप से उड़ाने की कोशिश, हुए थे नाकाम

भारत में ऐसे कई स्पॉट्स है, जहां राजा-महाराजाओं का खजाना छिपे होने की बातें होती हैं। ऐसी ही एक कहानी सोन भंडार गुफा के बारे में भी प्रचलित है। जो बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में आती है।

- मौर्य शासक बिंबिसार ने अपने शासन काल में राजगीर में एक बड़े पहाड़ को काटकर अपने खजाने को छुपाने के लिए गुफा बनाई थी।
- जिस कारण इस गुफा का नाम पड़ा था सोन भंडार। इस गुफा के बारे में कहा जाता है कि सोने को सहेजने के लिए इस गुफा को बनवाया गया था।
- पूरी चट्टान को काटकर यहां पर दो बड़े कमरे बनवाए गए थे।
- गुफा के पहले कमरे में जहां सिपाहियों के रुकने की व्यवस्था थी। वहीं, दूसरे कमरे में खजाना छुपा था।
- दूसरे कमरे को पत्थर की एक बड़ी चट्टान से ढंका गया है। जिसे आज तक कोई नहीं खोल पाया।
- अंग्रेजों ने इस गुफा को तोप के गोले से उड़ाने की कोशिश की थी, लेकिन वे इसमें नाकामयाब रहे थे। आज भी इस गुफा पर उस गोले के निशान देखे जा सकते हैं।
- अंग्रेजों ने इस गुफा में छुपे खजाने को पाने के लिए यह कोशिश की थी, लेकिन नाकाम होने पर वे वापस लौट गए।

अंदर जाते ही 10 मीटर लंबा चट्टान का कमरा मौजूद है यहां पर

- सोन भंडार गुफा में अंदर घुसते ही 10.4 मीटर लंबा चौड़ा और 5.2 मीटर चौड़ा कमरा है। इस कमरे की ऊंचाई लगभग 1.5 मीटर है।
- यह कमरा खजाने की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए बनाया गया था। इसी कमरे के दूसरी ओर खजाने का कमरा है, जो कि एक बड़ी चट्टान से ढंका हुआ है।

किस भाषा में लिखा है खजाने का कमरा खोलने का रहस्य

- मौर्य शासक के समय बनी इस गुफा की एक चट्टान पर शंख लिपि में कुछ लिखा है।
- इसके संबंध में यह मान्यता प्रचलित है कि इसी शंख लिपि में इस खजाने के कमरे को खोलने का राज लिखा है।

जैन धर्म के भी हैं अवशेष

इस जगह पर जैन धर्म के अवशेष भी देखने को मिलते हैं। यहां पर दूसरी ओर बनी गुफा में 6 जैन धर्म तीर्थंकरों की मूर्तियां भी चट्टान में उकेरी गई हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यहां पर जैन धर्म के अनुयायी भी रहे थे। तीसरी और चौथी शताब्दी में बनी हैं दोनों गुफा दोनों ही गुफा तीसरी और चौथी शताब्दी में चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं। इन गुफाओं के कमरों को पॉलिश किया गया है।

चट्टानों पर लिखी गयी है शंखलिपि भाषा

बिहार के साथ-साथ दूर-दराज़ के राज्यों से भी लोग इस गुफा को देखने आते हैं। इसके साथ ही भारतीय एवं अंतराष्ट्रीय पुरातत्त्वज्ञ भी इस गुफा के पीछे छिपे राज़ का पता लगाने यहाँ आते हैं। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि आज जब साइंस और टेक्नोलॉजी इतनी उन्नति कर चुकी है, उसके बावजूद भी इस गुफा के कमरों को खोला नहीं जा सका।

भारत का अनोखा रेलवे स्टेशन जिसकी अपनी कोई पहचान ही नहीं है

भारतीय रेल एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। इतना ही नहीं एकल सरकारी स्वामित्व के मामले में भारतीय रेल विश्व का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। भारत में कुल रेलवे स्टेशन की संख्या 8000 के करीब है। कई ऐसे रेलवे स्टेशन हैं जो काफी मशहूर हैं। लेकिन आज हम आपको भारत के एक ऐसे अनोखे रेलवे स्टेशन के बारे में बताएंगे, जिसकी अपनी कोई पहचान ही नहीं है। इस स्टेशन का कोई नाम नहीं है। इस बात को जानकर आपको हैरानी भी हो रही होगी कि भला ऐसे कैसे हो सकता है। तो आपको बता दें कि यह स्टेशन पश्चिम बंगाल में है जिसका अपना कोई नाम नहीं है। यह स्टेशन पश्चिम बंगाल के बर्धमान से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
बांकुरा-मैसग्राम रेल लाइन पर स्थित यह स्टेशन दो गांवों रैना और रैनागढ़ के बीच में पड़ता है। शुरुआत में इस स्टेशन को रैनागढ़ के नाम से जाना जाता था। रैना गांव के लोगों को यह बात पसंद नहीं आई क्योंकि इस स्टेशन की बिल्डिंग का निर्माण रैना गांव की जमीन पर किया गया था। रैना गांव के लोगों का मानना था कि इस स्टेशन का नाम रैनागढ़ की जगह रैना होना चाहिए।

ये है नाम न होने की वजह

ये रेलवे स्टेशन पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. बांकुरा-मैसग्राम रेल लाइन पर स्थित यह स्टेशन दो गांवों रैना और रैनागढ़ के बीच में पड़ता है. रैना और रैनागढ़ के बीच में होना ही इसका नाम न होने की वजह है. ऐसा कहा जाता है कि इस स्टेशन को 2008 में तैयार किया गया था. उस समय इस स्टेशन का नाम रैनागढ़ रखा गया. लेकिन इस स्टेशन की बिल्डिंग का निर्माण रैना गांव की जमीन पर किया गया था, इसलिए रैना गांव के लोगों को ये बात अच्छी नहीं लगी और इसके नाम को लेकर विवाद छिड़ गया.

रेलवे ने मिटा दिया साइन बोर्ड्स से नाम

रैना गांव के लोगों का कहना था कि इस स्टेशन का नाम रैना होना चाहिए, जबकि रैनागढ़ वालों का कहना था इसके नाम को नहीं बदला जाए. ये विवाद इतना बढ़ गया कि रेलवे बोर्ड तक पहुंच गया. इस विवाद के चलते रेलवे ने यहां लगे सभी साइन बोर्ड्स से स्टेशन का नाम मिटा दिया. इसके कारण स्टेशन पर आने वाले सभी यात्रियों को काफी समस्या होती है. जो भी यात्री यहां आता है, बिना नाम का साइन बोर्ड को देखकर उसका सिर चकरा जाता है और कन्फ्यूजन हो जाता है कि वो सही जगह आया है या नहीं. हालांकि रेलवे की तरफ से आज भी स्टेशन का टिकट रैनागढ़ के नाम से ही जारी किया जाता है.

सोने-चांदी के रेट में गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के भाव में आज गिरावट है। 11 मार्च को सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना सोमवार के बंद भाव 85932 रुपये के मुकाबले आज 209 रुपये सस्ता होकर 85723 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं, चांदी के रेट में 759 रुपये गिरकर 95875 रुपये पर खुला। सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड

ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 208 रुपये सस्ता होकर 85380 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर 192 रुपये टूटकर 78522 रुपये पर खुला। 18 कैरेट का भाव भी 157 रुपये सस्ता होकर 64292 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 122 रुपये गिरकर 50148 रुपये पर आ गई है।

बीएसई में लिस्टेड चर्चित कंपनी का बुरा हाल

नईदिल्ली, एजेंसी। बीएसई लिमिटेड के शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी है। कंपनी के शेयरों में आज लगातार 5वें कारोबारी दिन गिरावट देखने को मिली थी। इस दौरान बीएसई लिमिटेड के शेयरों का भाव 13.5 प्रतिशत से अधिक लुढ़क चुका है। बता दें, मार्च के महीने में महज एक कारोबारी दिन ऐसा रहा है जब कंपनी के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। मार्च के महीने में यह स्टॉक 16 प्रतिशत लुढ़क चुका है। इससे पहले जनवरी के महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 0.4 प्रतिशत गिरा है। वहीं, फरवरी के महीने में 12.6 प्रतिशत टूटा है।

एनएसई में आज कंपनी के शेयर 3920 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयर दिन में 4.84 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद 3,805.10 रुपये के लेवल पर आ गया था। 12.24 बजे कंपनी के शेयर एनएसई में 3,809 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहा था। भले ही हाल के कुछ समय में कंपनी के शेयरों में गिरावट आई हो। लेकिन इसके बाद भी यह स्टॉक एक साल में 78 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है।

एक्सपर्ट्स ने टारगेट प्राइस को घटाया– ब्रोकरेज हाउस नुवामा ने टारगेट प्राइस को घटा दिया है। पहले बीएसई लिमिटेड के लिए टारगेट प्राइस 7250 रुपये था। जोकि अब घटाकर 5160 रुपये हो गया है। हालांकि, ब्रोकरेज हाउस ने रेटिंग को बरकरार रखा है। टारगेट प्राइस को फिर से घटाया है। ब्रोकरेज हाउस ने न्यूट्रल रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज हाउस ने 4230 रुपये का का टारगेट प्राइस सेट कर दिया है।

होली से पहले प्याज की कीमतों में गिरावट से उबले किसान

रोक दी थी नीलामी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्याज की कीमतों में गिरावट के विरोध के एक दिन बाद मंगलवार को महाराष्ट्र के नासिक स्थित लासलगांव एपीएमसी (कृषि उत्पादन विपणन समिति) में प्याज की नीलामी शुरू हो गई। सोमवार को किसानों ने कुछ समय के लिए नीलामी रोक दी थी और प्याज की कीमतों में गिरावट के खिलाफ पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन किया था। होली से पहले प्याज की औसत कीमतों में 300 से 500 रुपये की गिरावट आई है

20 प्रतिशत निर्यात शुल्क को हटाने की मांग– विरोध करने वाले किसानों ने सोमवार को प्याज पर लगाए गए 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क को हटाने की मांग की। उनका कहना था कि इस शुल्क की वजह से लासलगांव एपीएमसी में प्याज की कीमतों में गिरावट आई है। लासलगांव एपीएमसी एशिया का सबसे बड़ा प्याज का थोक बाजार है।

सोमवार को करीब 15 किसानों ने पानी की टंकी पर चढ़कर प्याज की कीमतों में गिरावट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और कुछ समय के लिए नीलामी को रोक दिया। प्याज की कीमतों में गिरावट के विरोध के एक दिन बाद मंगलवार को महाराष्ट्र के नासिक स्थित लासलगांव एपीएमसी (कृषि उत्पादन विपणन समिति) में प्याज की नीलामी शुरू हो गई। सोमवार को किसानों ने कुछ समय के लिए नीलामी रोक दी थी और प्याज की कीमतों में गिरावट के खिलाफ पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन किया था। होली से पहले प्याज की औसत कीमतों में 300 से 500 रुपये की गिरावट आई है

20 प्रतिशत निर्यात शुल्क को हटाने की मांग

विरोध करने वाले किसानों ने सोमवार को प्याज पर लगाए गए 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क को हटाने की मांग की। उनका कहना था कि इस शुल्क की वजह से लासलगांव एपीएमसी में प्याज की कीमतों में गिरावट आई है।

लासलगांव एपीएमसी एशिया का सबसे बड़ा प्याज का थोक बाजार है। सोमवार को करीब 15 किसानों ने पानी की टंकी पर चढ़कर प्याज की कीमतों में गिरावट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और कुछ समय के लिए नीलामी को रोक दिया।

पांच दिन पहले 2,300 रुपये था भाव

सूत्र ने कहा, ये कीमतें सिर्फ पांच दिन पहले 2,250 से 2,300 रुपये प्रति क्विंटल थीं। इसी वजह से किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। बाद में, राज्य के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने किसानों को आश्वासन दिया कि येवला (नासिक जिले में) के विधायक छगन भुजबल विधानसभा के चल रहे बजट सत्र में इस मुद्दे को उठाएंगे। इसके बाद किसानों ने विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया। विरोध को शांत करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। मंगलवार को एपीएमसी में नियमित नीलामी शुरू हो गई। सुबह एपीएमसी में 500 वाहनों में करीब 13,000 क्विंटल प्याज लाया गया। गर्मी की फसल वाले प्याज की नीलामी शुरू होने पर कीमतें न्यूनतम 600 रुपये प्रति क्विंटल, अधिकतम 1,951 रुपये प्रति क्विंटल और औसत 1,600 रुपये प्रति क्विंटल थीं।

बिक रहा है सरकारी बैंक, मार्च तक पूरा हो जाएगा प्रोसेस!

नईदिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक को लेकर एक बड़ी खबर आ रही है। बैंक का इस महीने के अंत तक प्राइवेटाइजेशन हो सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रक्रिया मार्च में पूरी हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार ने अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही तक आईडीबीआई लेनदेन को पूरा करने का टारगेट रखा है। इस बीच, आज मंगलवार को 2 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 71.54 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे।

क्या है डिटेल

सीएनबीसी टीसी18 की एक रिपोर्ट में सरकारी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रक्रिया मार्च में पूरी हो जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि केंद्र सरकार ने अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही तक आईडीबीआई लेनदेन को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र जल्द ही वित्तीय बोलियां आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। वहीं, बिजनेस टुडे टीवी की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र ने आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रक्रिया में डेटा रूम से जुड़ी सभी चिंताओं को दूर कर दिया है।

पतंजलि ने नागपुर में शुरू की संतरे की आधुनिक प्रसंस्करण इकाई, विदर्भ के किसानों को मिलेगी मदद

नईदिल्ली, एजेंसी। पतंजलि ने नागपुर के मिहान में संतरा प्रोसेसिंग के लिए देश के सबसे बड़े प्लांट की स्थापना की। 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क' का उद्घाटन सड़क परिवहन, राजमार्ग व जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने किया। इस दौरान पतंजलि समूह की ओर से बाबा रामदेव और अचार्य बालकृष्ण भी मौजूद रहे।

संतरा उत्पादन करने वाले किसानों के लिए वरदान साबित होगी इकाईः फडणवीस

उद्घाटन के दौरान महाराष्ट्र के सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने हिन्दवी साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज को नमन करते हुए कहा कि हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर मैन

नितिन गडकरी, स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण ने प्रदेश में पतंजलि के सेवा विस्तार का जो सपना देखा था वह अब भव्य रूप से साकार हो रहा है। सीएम ने कहा कि यह फूड पार्क संतरों का केंद्र बनेगा। उनकी सोर्सिंग और ग्रेडिंग भी यहीं की जाएगी। यही स्थिति कोल्ड स्टोर्स में किसानों को संतरा रखने के लिए जगह दी जाएगी।

फूड पार्क स्थापित होने से किसानों में आशा कि किरण जगी: नितिन गडकरी

कार्यक्रम के दौरान नितिन गडकरी ने कहा, मैं स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण को धन्यवाद दूंगा कि नागपुर के मिहान में उन्होंने फलों का प्रसंस्करण करने वाले उद्योग की शुरूआत की। स्वामी रामदेव जी ने जो इनिशियेटिव लिया है, वह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पतंजलि फूड एण्ड हर्बल पार्क, मिहान में बेहतर तकनीक लाकर स्वामी जी ने किसानों को राहत व युवाओं को रोजगार देने का सराहनीय कार्य किया है। गडकरी ने कहा कि विदर्भ में 10 हजार से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की है। उसका मूल कारण यहां किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाना है। आज यहां फूड पार्क स्थापित होने से किसानों में आशा कि किरण जगी है। मुझे विश्वास है कि सरकार के प्रयासों और पतंजलि के संकल्प से विदर्भ के किसान को अब आत्महत्या के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा।

एआई क्षेत्र में 2027 तक मिलेंगी 23 लाख नौकरियां, 10 लाख पेशेवरों की होगी कमी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत समेत दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र में भारी संख्या में नौकरियां मिलने की उम्मीद है। हालांकि, एआई को अपनाने वाली कंपनियों को कुशल पेशेवरों की कमी से जूझना पड़ रहा है। भारत में अगले दो साल में यानी 2027 तक एआई क्षेत्र में 23 लाख से ज्यादा लोगों की जरूरत होगी। हालांकि, देश को 10 लाख से अधिक कुशल पेशेवरों की कमी से जूझना पड़ सकता है।

बेन एंड कंपनी ने नई रिपोर्ट में कहा, भारत का एआई क्षेत्र 2027 तक 23 लाख नौकरियों के अवसरों से आगे निकल सकता है। हालांकि, उस समय तक एआई कुशल पेशेवरों की संख्या करीब 12 लाख ही रहने का अनुमान है। इसका मतलब है कि देश को 10 लाख से अधिक पेशेवरों को नए सिरे से सक्षम बनाना होगा। रिपोर्ट में कहा गया है, एआई विशेषज्ञता की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत को मौजूदा प्रतिभाओं को फिर से प्रशिक्षित करने के साथ उन्हें बेहतर कौशल से लैस करना होगा। इससे न सिर्फ कुशल पेशेवरों की संख्या में इजाफा होगा, बल्कि एआई को अपनाने में भी तेजी आएगी।

वैश्विक केंद्र बनने की राह पर भारत– भारत में बैन एंड कंपनी के साझेदार सैकत बनर्जी ने कहा, भारत के पास वैश्विक एआई प्रतिभा केंद्र के रूप में स्थापित करने का एक अनूठा अवसर है। सैकत ने कहा, 2027 तक एआई क्षेत्र में नौकरियों के अवसर प्रतिभा की उपलब्धता के मुकाबले 1.5-2.0 गुना होने की उम्मीद है।

आकर्षक वेतन के बावजूद नहीं मिल रहे कुशल कर्मचारी– रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर में 2019 के बाद से एआई से जुड़ी नौकरियों में उछाल आया है। यह हर साल 21 फीसदी की दर से बढ़ रही है। इस अवधि में एआई पेशेवरों का वेतन भी सालाना 11 फीसदी बढ़ा है।

हालांकि, मांग में तेजी और आकर्षक वेतन के बावजूद योग्य एआई पेशेवरों की आपूर्ति में इजाफा नहीं हुआ है।इससे दुनियाभर में प्रतिभाओं के बीच अंतर लगातार बढ़ रहा है, जिससे एआई को अपनाने की रफ्तार धीमी होती जा रही है। सैकत ने कहा, एआई पेशेवरों की कमी को दूर करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

बाहरी एजेंसी से स्वतंत्र जांच करा रही बैंक, अंतिम रिपोर्ट का इंतजार; शेयर 3.86 फीसदी तक टूटा

नईदिल्ली, एजेंसी। डेरिवेटिव खातों में विसंगतियों के कारण निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक की नेटवर्थ दिसंबर, 2024 तक 2.35 फीसदी या 1,577 करोड़ रुपये घट सकती है। इसका असर बैंक के चौथी तिमाही के नतीजों में देखने को मिल सकता है। डेरिवेटिव खाते का इस्तेमाल वित्तीय अनुबंधों के जरिये ट्रेडिंग करने के लिए होता है। वहीं, बैंक के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक सुमंत कठपालिया का कार्यकाल तीन साल की जगह एक वर्ष बढ़ाने के आरबीआई के फैसले से बैंक के शेयर सोमवार को 3.86 फीसदी तक टूट गए।

बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी– बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि आंतरिक समीक्षा में डेरिवेटिव बुक में सामने आई विसंगतियों की पहचान सितंबर-अक्तूबर तक कर ली गई थी। इसमें आरबीआई के अप्रैल, 2024 से लागू नियमों का उल्लंघन भी हुआ है। केंद्रीय बैंक को भी इस बारे में अवगत कराया गया है। बैंक ने कहा, विसंगतियों की स्वतंत्र जांच के लिए बाहरी एजेंसी को नियुक्त किया है। उसकी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। बैंक की लाभप्रदता और पूंजी पर्याप्तता इस असर को झेलने के लिए बेहतर है। आरबीआई ने सितंबर, 2023 में वाणिज्यिक बैंकों के निवेश पोर्टफोलियो को नियंत्रित करने वाले नियमों में बदलाव किया था। वहीं, सीईओ कठपालिया ने दावा किया, नेटवर्थ पर पड़ने वाले असर से निपटने में बैंक सक्षम है। गौरतलब है कि बैंक की नेटवर्थ 62,000 करोड़ है।

यूपीआई और रूपे लेनदेन पर मर्चेंट चार्ज लगाने की तैयारी में सरकार

आपकी जेब पर पड़ेगा असर!

नईदिल्ली, एजेंसी। यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड के जरिए लेनदेन पर बहुत जल्द शुल्क लग सकता है। यानी यूपीआई करना फ्री नहीं रहेगा, इसके लिए भी अलग से पैसे देने पड़ सकते हैं। दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सरकार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस और रूपे डेबिट कार्ड के जरिए से किए गए लेनदेन पर मर्चेंट शुल्क वापस लाने के प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रही है। अगर ऐसा होता है तो फिर अगर डिजिटल पेमेंट महंगा हो जाएगा।

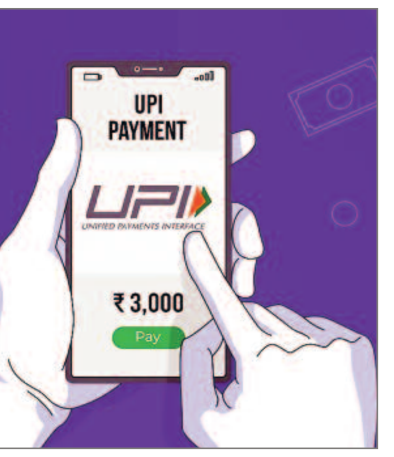

क्या है डिटेल

सरकार इन ट्रांजेक्शन पर मर्चेंट शुल्क लगाने की तैयारी कर रही है। बता दे कि डिजिटल पेमेंट इंडस्ट्रीज में मर्चेंट डिस्काउंट रेट उसे कहते हैं, जो किसी मर्चेंट या दुकानदार को पेमेंट सर्विस को शुरू करने के लिए देना होता है। इस शुल्क को साल 2022 में सरकार के द्वारा माफ कर दिया गया था। अब खबर है कि फिर से सरकार इसे लागू करने पर विचार कर सकती है। वर्तमान में, यूपीआई और रूपे डेबिट कार्ड भुगतानों पर कोई एमडीआर लागू नहीं है, जिन्हें नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के माध्यम से सुगम बनाया जाता है।

रिव्यू किया जा रहा है

समाचार रिपोर्ट में एक बैंकर के हवाले से कहा गया है कि बड़े व्यापारियों के लिए यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर को फिर से लागू करने का औपचारिक अनुरोध बैंकिंग उद्योग द्वारा केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया गया है और संबंधित विभाग इसकी समीक्षा कर रहे हैं। प्रस्ताव के अनुसार, 40 लाख रुपये से अधिक के सालाना कारोबार वाले व्यापारियों के लिए उनके जीएसटी फाइलिंग के आधार पर एमडीआर को फिर से लागू किया जा सकता है। सरकार यूपीआई के लिए एक स्तरीय मूल्य निर्धारण मॉडल पर भी विचार कर सकती है, जहां बड़े व्यापारियों को अधिक शुल्क देना होगा, जबकि छोटे व्यवसायों को कम शुल्क देना होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 40 लाख रुपये से कम वार्षिक कारोबार वाले व्यापारियों के लिए यूपीआई भुगतान नि:शुल्क रहेगा।

यूपीआई लेनदेन

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2025 में यूपीआई ने 16.11 बिलियन लेनदेन दर्ज किए, जिनकी राशि लगभग 22 ट्रिलियन रुपये थी।

गिरावट भरे बाजार में पेटीएम पर चढ़ा तेजी का रंग

1,250 पर पहुंच सकता है भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशन्स के शेयर पर तेजी का रंग यानी हरा रंग चढ़ा है। कमजोर मार्केट के बावजूद इसकी कीमत मंगलवार को 3 प्रतिशत से अधिक तक बढ़ गई। 11 मार्च को सुबह 10:33 बजे, शेयर की कीमत 685.80 प्रति शेयर पर पहुंच गई। शेयर की कीमत में यह बढ़त तब देखी गई जब कंपनी ने 9 मार्च को एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि उसने अपने कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन योजनाओं के तहत 84,793 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। रविवार (9 मार्च) को एक्सचेंज फाइलिंग में, पेटीएम ने घोषणा की कि उसके बोर्ड ने कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन योजना 2019 और इएसओपी 2008 के तहत पात्र कर्मचारियों को 1 के फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर आवंटित करने की मंजूरी दी है।

84,377 शेयर अलॉट किए गए

इएसओपी 2019 के तहत कुल 84,377 शेयर अलॉट किए गए, जबकि इएसओपी 2008 के तहत 416 शेयर जारी किए गए, जिनकी एक्सरसाइज प्राइस 9 प्रति शेयर थी। इस अलाटमेंट के बाद, कंपनी का जारी, सब्सक्राइब्ड और पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल 63.76 करोड़ से बढ़कर 63.77 करोड़ हो गया है। हाल ही में, कंपनी ने इएसओपी से जुड़े कई ऐलान किए हैं। पिछले महीने, उसने इएसओपी 2019 के तहत 1.36 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए थे।

घट रहा कंपनी का घाटा

वित्तीय मोर्चे पर, पेटीएम ने क्यू3 एफवाय25 में अपने कंसोलिडेटेड नेट लॉस को 6 प्रतिशत घटाकर 208.5 करोड़ कर दिया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 221.7 करोड़ था। हालांकि, ऑपरेशन से होने वाला राजस्व एफवाय24 के 2,850.5 करोड़ से घटकर 1,827.8 करोड़ रह गया।

कंपनी कर रही रेगुलेटरी चुनौतियों का सामना– इस बीच, कंपनी को रेगुलेटरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले हफ्ते इनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने पेटीएम और उसकी दो सहायक कंपनियों को लगभग 611 करोड़ के लेन-देन में एफइएमए के कई प्रावधानों का उल्लंघन करने के आरोप में शो कॉज नोटिस जारी किया था।

भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है: रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी टीम के अजेय प्रदर्शन के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है जिसमें कई युवा प्रतिभाएं हैं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवश्यक भूख, जुनून और प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के अभियान में शुभमन गिल (पांच मैचों में एक शतक के साथ 188 रन), श्रेयस अय्यर (पांच मैचों में दो अर्द्धशतक के साथ 243 रन), अक्षर पटेल (पांच मैचों में पांच विकेट के साथ 109 रन), हार्दिक पांड्या (चार मैचों में 99 रन और चार विकेट), केएल राहुल (पांच मैचों में 140.00 की औसत से 140 रन), वरुण चक्रवर्ती (नौ विकेट) जैसे कई वर्तमान और भविष्य के सितारे शामिल हैं जिन्होंने टीम की लगातार दूसरी बार व्हाइट-बॉल खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोहित ने कहा कि जिस तरह से उनकी भारतीय टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपराजित रहने का रिकॉर्ड बनाया है, वह उनके जुनून और प्रतिबद्धता का संकेत है - और यह भविष्य के लिए अच्छा संकेत है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस बात से सहमत हैं कि टीम अगले दशक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर अपना दबदबा बना सकती है, रोहित ने बताया कि युवा प्रतिभाओं की प्रगति का समर्थन करने के लिए किस तरह से टीम तैयार की गई है। आईसीसी के हवाले से उन्होंने कहा, यही मुख्य बात है। आप खेलते समय अपनी बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं। पिछले चार या पांच सालों में जब भी हमें मौका मिला, हमने हमेशा इन सभी खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश की है। उन्होंने इसका फायदा उठाया है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ी खेल के सभी प्रारूपों में चमक रहे हैं, जिससे चयन को लेकर काफी बहस हो रही है। उन्होंने कहा, जब आप इस बारे में चर्चा करते हैं कि किस खिलाड़ी को चुनना है, किसे बाहर करना है, कौन 11 में जगह नहीं

बना पाएगा, तो इससे आपको पता चलता है कि इस टीम में कितनी गहराई है। सफेद गेंद के मोर्चे पर टीम अगले दो वर्षों में दो वैश्विक आयोजनों की उम्मीद कर रही है, जिसमें 2026 की शुरुआत में घरेलू धरती पर टी20 विश्व कप (और श्रीलंका की सह-मेजबानी में) और 2027 में क्रिकेट विश्व कप शामिल है। रोहित को उम्मीद है कि कम से कम इस स्तर पर वे दोनों टीमों का हिस्सा होंगे, लेकिन उनका मानना है कि टीम के लिए एक मजबूत टीम के रूप में आगे बढ़ने के लिए मंच तैयार हो चुका है।

उन्होंने कहा, मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि भविष्य के लिए भारतीय क्रिकेट बहुत ही सुरक्षित हाथों में है, यह देखते हुए कि खिलाड़ी कैसे आगे बढ़ रहे हैं, वे उस जिम्मेदारी को कैसे लेना चाहते हैं, उनमें कितनी भूख है। जुनून, प्रतिभा, यह सब वहां है। अब बस वहां जाकर इसे करने की बात है।

लखनऊ सुपर जायंट्स को बड़ा झटका, तेज गेंदबाज आईपीएल 2025 के पहले हाफ से बाहर!

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले बड़ा झटका लगा है। लखनऊ के तेज गेंदबाज मयंक यादव पीठ की चोट के कारण आईपीएल के पहले हाफ से बाहर हो गए हैं। मयंक इस समय बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हैं। मयंक को पिछले साल अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में चोट लगी थी। लखनऊ ने नवंबर में आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले मयंक को 11 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। लखनऊ ऋषभ पंत की कप्तानी में 24 मार्च को विशाखापत्तनम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, मयंक कमर की चोट से उबर रहे हैं और उन्होंने अभी-अभी गेंदबाजी शुरू की है। बीसीसीआई ने मयंक की वापसी के लिए अभी कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है, लेकिन अगर वह अपने गेंदबाजी कार्यभार को बढ़ाने के साथ-साथ सभी फिटनेस मापदंडों को पूरा करते हैं, तो वह आईपीएल के दूसरे हाफ में खेल सकते हैं। पिछले सीजन के दौरान मयंक ने लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की, जिससे उन्हें अपने पहले दो मैचों में लगातार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने में मदद मिली। साइड स्ट्रेन के कारण पिछले सीजन में मयंक ने चार मैच ही खेले थे। रिकवरी के दौरान उन्हें फिर चोट लग गई। बांग्लादेश के खिलाफ टी20आई में मैदान पर लौटने के बाद उन्हें फिर चोट का सामना करना पड़ा। फ्रेंचाइजी के मेंटर जहीर खान ने कहा, एनसीए के साथ उनकी रिकवरी और फिटनेस के रोडमैप के बारे में हमारी कुछ दिलचस्प बातचीत हुई है, इसलिए हम उनके साथ काम कर रहे हैं। हमें उनके समर्थन की भी उम्मीद है, वे वास्तव में एक युवा खिलाड़ी की देखभाल करने के दर्शन को अपनाएंगे क्योंकि वह न केवल एलएसजी के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि वह भारतीय क्रिकेट के लिए भी महत्वपूर्ण है।

टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ खास अंदाज में मनाने की तैयारी, ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड ने बनाया प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड 2027 में टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए विशेष इंतजाम कर रहा है। टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में डे नाइट टेस्ट की तैयारी हो रही है। इतिहास का पहला टेस्ट 1877 में हुआ था, जबकि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शताब्दी टेस्ट 100 साल बाद हुआ। दोनों टेस्ट मेजबान टीम ने 45-45 रन से जीते हैं। 150वीं वर्षगांठ का मैच ऑस्ट्रेलिया की गर्मियों की छुट्टियों के अलावा 11-15 मार्च को आयोजित किया जाएगा और यह 100,000 की क्षमता वाले मैदान पर डे-नाइट के रूप में खेला जाने वाला पहला पुरुष टेस्ट होगा। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पिछले महीने की शुरुआत में इस मैदान पर सफल महिला एशेज पिंक बॉल क्लैश के बाद पहली बार पुरुषों के डे-नाइट टेस्ट की मेजबानी करेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के नवनियुक्त प्रमुख टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, एमसीजी में 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट क्रिकेट के सबसे शानदार आयोजनों में से एक होगा। डे नाइट में खेलना हमारे खेल की समृद्ध विरासत और टेस्ट क्रिकेट के आधुनिक विकास का जश्न मनाने का एक शानदार तरीका होगा। उन्होंने कहा, इस सीजन की एशेज सीरीज ठीक दो साल बाद होने वाले इस मुकाबले के लिए उत्सुकता बढ़ाएगी और हम इस ऐतिहासिक अवसर का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि यह नजदीक आ रहा है। ऑस्ट्रेलिया का इंग्लैंड में 5 टेस्ट मैचों का दौरा इस साल नवंबर में शुरू होगा।

आईसीसी ने दिया जवाब, क्यों चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद मंच पर नहीं था कोई पीसीबी अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी का समापन हो गया है. फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीत लिया और ट्रॉफी लेकर अपने वतन वापस भी लौट आई है. लेकिन फाइनल के बाद हुए पुरुस्कार वितरण समारोह को लेकर हंगामा अभी भी मचा हुआ है. दरअसल स्टेज पर पीसीबी का कोई अधिकारी नहीं दिखा था, इसको लेकर पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर्स और लोग सवाल उठा रहे थे. अब इस पर आईसीसी का जवाब आया है. टीम इंडिया के फाइनल मैच जीतने के आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह समेत 4 अधिकारी स्टेज पर मौजूद थे. इसमें बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव देवजीत सैकिया के साथ न्यूजीलैंड निदेशक रॉजर ट्वोज उपस्थित थे.

ऐसा देखने के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स और कुछ लोगों द्वारा सबसे पहले सवाल उठाया गया कि मेजबान होने के बाद भी उनके बोर्ड (पीसीबी) का अधिकारी स्टेज पर मौजूद क्यों नहीं था. उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया. आईसीसी के स्पोकपर्सन ने जियो टीवी से बात करते हुए बताया कि आईसीसी ने पीसीबी चीफ मोहसिन नक़वी को अवार्ड वितरण समारोह के लिए मंच पर बुलाने का इंतजाम किया था लेकिन वह नहीं पहुंचे. नियम के मुताबिक आईसीसी केवल मेजबान बोर्ड के प्रमुख को इसके लिए बुला सकती है. जैसे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, चेयरमैन या सीईओ. अन्य बोर्ड अधिकारी, चाहे वे आयोजन स्थल पर मौजूद हों, लेकिन वे मंच की कार्यवाही का हिस्सा नहीं हो सकते हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद आईसीसी रैंकिंग में भारतीयों को बंपर फायदा, विराट-अय्यर चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने नई रैंकिंग जारी की है. फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर इतिहास रचा था. फाइनल में कप्तान रोहित ने 76 रनों की पारी खेली थी, लेकिन बल्लेबाजी रैंकिंग में उन्हें नुकसान हुआ है. दूसरी ओर विराट कोहली ने पूरे टूर्नामेंट में 218 रन बनाए, जिसका उन्हें फायदा मिला है. यहां जानिए चैंपियंस ट्रॉफी के बाद टीमों की रैंकिंग और बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी रैंकिंग में कितना बदलाव हुआ है?

भारत टॉप पर विराजमान

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भी आईसीसी रैंकिंग में पहले स्थान पर थी. उसके अब भी 122 ही अंक हैं और टीम इंडिया ने पहले स्थान को बरकरार रखा है. वनडे टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के 110 अंक हैं, उससे भारत बहुत आगे है. वहीं पाकिस्तान अब भी तीसरे स्थान पर कायम है, जिसके 106 अंक हैं. चौथे और पांचवें स्थान पर क्रमशः न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका विराजमान हैं.

रोहित को नुकसान

वनडे की बल्लेबाजी रैंकिंग में विराट कोहली को फायदा हुआ है. उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुल 218 रन बनाए, जिससे वो अब एक स्थान के फायदे के साथ चौथे नंबर पर आ गए हैं. रोहित शर्मा को दो स्थान का नुकसान हुआ है और वो अब 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं. रोहित इस टूर्नामेंट में 180 रन ही बना पाए. अच्छी बात यह है कि शुभमन गिल अब भी आईसीसी में दुनिया के टॉप बल्लेबाज बने हुए हैं. श्रेयस अय्यर भी एक स्थान के फायदे के साथ अब 8वें नंबर पर आ गए हैं.

टॉप-10 गेंदबाजों में सिर्फ एक भारतीय

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मोहम्मद शमी और वरुण चक्रवर्ती ने घातक गेंदबाजी की और दोनों ने कुल मिलाकर 18 विकेट चटकाए. वनडे के टॉप-10 गेंदबाजों में सिर्फ एक भारतीय खिलाड़ी मौजूद है. कुलदीप यादव को तीन स्थान का नुकसान हुआ है, जिससे वो छठे पायदान पर आ गए हैं. मोहम्मद शमी को तीन स्थान का फायदा हुआ और अब 11वें नंबर पर आ गए हैं. वरुण चक्रवर्ती ने सबसे लंबी छलांग लगाई है. वो 143 स्थान की छलांग लगाकर वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग के टॉप-100 में शामिल हो गए हैं.

रोनाल्डो ने अल नासर को एएफसी चैंपियंस लीग एलीट क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया

रियाद (सऊदी अरब), एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से सऊदी अरब के अल नासर ने ईरान के एस्टेघलाल को 3-0 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल नासर से जुड़े थे लेकिन अभी तक रियाद के इस क्लब के लिए कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। वह पिछले सप्ताह अंतिम 16 के दौर के पहले चरण के मैच में गोल नहीं कर पाए थे। पहले चरण का मैच गोल रहित बराबरी पर छूटा था और इस तरह से अल नासर ने 3क्0 के कुल अंतर से जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रोनाल्डो ने 26वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया। अल नासर की तरफ से उनके अलावा झोन डुरान ने दो गोल किए। इस बीच दो बार के चैंपियन कतर के अल साद ने संयुक्त अरब अमीरात के अल वास्ल को 4-2 की कुल योग से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पाकिस्तान के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का हुआ ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लेना है और इसके लिए कीवी टीम का ऐलान कर दिया गया है। इस घरेलू सीरीज के लिए पहली बार स्टार आलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी सौंपी गई है। हालांकि ब्रेसवेल इससे पहले पाकिस्तान में कीवी टीम के लिए कप्तानी कर चुके हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए जिस टीम का चयन किया गया है उसमें सिर्फ 7 ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हिस्सा लिया था। ऐसे कई प्लेयर्स जो आईपीएल 2025 में खेलेंगे वो इस सीरीज का हिस्सा नहीं बनाए गए हैं। व्हाइट बॉल टीम के नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर के साथ डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, बेवॉन जैकब्स और लॉकी फर्ग्यूसन का आईपीएल 2025 की वजह से टीम में चयन नहीं किया

गया। पाकिस्तान के खिलाफ स्पिनर ईश सोढ़ी की टीम में वापसी हुई हुई जबकि तेज गेंदबाज बेन सियर्स भी चोट से उबरकर वापसी करने में सफल रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ इस सीरीज के लिए केन विलियमसन भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस टीम में 4 खिलाड़ी ऐसे हैं जो सिर्फ कुछ मैचों के लिए उपलब्ध होंगे।

टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फाउलकेस (केवल गेम 4 और 5), मिच हे, मैट हेनरी (केवल गेम 4 और 5), काइल जैमीसन (केवल गेम 1, 2 और 3), डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, विल ओ'रुरके (केवल गेम 1, 2 और 3), टिम रॉबिन्सन, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

बचपन से ही मेरा एक ही सपना था कि मैं भारत के लिए खेलूं: ऋषभ पंत

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद, भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने खुलासा किया कि बचपन से ही उनका एक ही सपना था कि वे भारत के लिए खेलें, जो कड़ी मेहनत और लगन के बाद 2017 में साकार हुआ। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे पंत को टूर्नामेंट में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, क्योंकि केएल राहुल को उनसे आगे चुना गया था। हालांकि, पंत आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में अपनी नई फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी में उन्हें फ्रेंचाइजी ने रिकॉर्ड तोड़ 27 करोड़ रुपये में खरीदा था।

पंत ने जियो हॉटस्टार पर कहा, बचपन से ही मेरा एक ही सपना था - भारत के लिए खेलना। मैंने कभी आईपीएल में खेलने के बारे में सोचा भी नहीं था। मुझे लगता है कि आज लोग आईपीएल पर ज़्यादा ध्यान देते हैं। बेशक, यह एक बेहतरीन प्लेटफ़ॉर्म है, लेकिन मेरा मानना ??है कि अगर आपका लक्ष्य अपने देश के लिए खेलना है, तो बाकी सब कुछ - जिसमें आईपीएल भी शामिल है - आखिरकार अपने आप ठीक हो जाएगा। अगर आपकी सोच बड़ी है, तो सफलता आपके पीछे-पीछे आएगी। मुझे हमेशा से लगता था कि मैं एक दिन भारत के लिए खेलूंगा और भगवान ने मेरी मेहरबानी की। 18 साल की उम्र में मुझे डेब्यू करने का मौका मिला और मैं इसके लिए आभारी हूं।

पंत अपने पावर-हिटिंग कौशल के अलावा अपने अपरंपरागत शॉट-मेकिंग कौशल के लिए भी जाने जाते हैं, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह उन्हें स्वाभाविक रूप से आता है। विकेटकीपर ने कहा, पहले, बहुत से खिलाड़ी ये शॉट खेलते थे। मैंने माही भाई (एमएस धोनी) के पुराने वीडियो देखे हैं, और उन्होंने भी लैप शॉट खेला है। लेकिन प्रतिशत के हिसाब से, मुझे लगता है कि वे इसे कम खेलते थे। अब खेल बदल रहा है - फील्ड प्लेसमेंट अलग हैं, और खिलाड़ी इसे अपना रहे हैं। कुछ को लग सकता है कि यह उनके खेल के लिए जरूरी है, जबकि अन्य को नहीं। दिन के अंत में, आप खेल को कैसे पढ़ते हैं, यह निर्धारित करता है कि आप इसे कैसे खेलते हैं। कई बार अपने बल्ले के हाथ से फिसलने के पीछे के कारण पर टिप्पणी करते हुए पंत ने कहा, मुझे लगता है कि ऐसा ज्यादातर इसलिए होता है क्योंकि मैं अपने निचले हाथ को बहुत हल्के से पकड़ता हूं। मैं मुख्य रूप से अपने निचले हाथ का इस्तेमाल सहारे के लिए करता हूं क्योंकि कई बार यह हावी होने लगता है। इसलिए, मैं अपने ऊपरी हाथ को मजबूती से पकड़ने पर ध्यान केंद्रित करता हूं। लेकिन जब मैं ओवररीच करता हूं - खासकर जब गेंद बहुत चौड़ी या बहुत छोटी होती है - तो यह हमेशा आदर्श हिटिंग जोन में नहीं होता है। कभी-कभी, मैं जो शॉट लगाने की कोशिश करता हूं, उसकी सफलता दर केवल 30-40त्न हो सकती है, लेकिन मैच की स्थिति के आधार पर, मैं यह जोखिम उठाने को तैयार हूं। यही मेरी मानसिकता है। जब मैं वह जोखिम लेता हूं और ओवररीच करता हूं, तो मुझे संतुलन बनाए रखने के लिए कुछ करने की जरूरत होती है।

प्रभास की फिल्म द राजा साब की रिलीज में होगी और देरी?

साउथ सुपरस्टार प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म द राजा साब को लेकर फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पहले यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन प्रोडक्शन में देरी के चलते इसे टाल दिया गया। अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। 123 तेलुगु डॉट कॉम की खबर के मुताबिक फिल्म की शूटिंग में और देरी होने वाली है, क्योंकि चार गाने और क्लाइमेक्स सीन अभी बाकी हैं। बताया जा रहा है कि प्रभास इस समय अपनी दूसरी फिल्म पर ध्यान दे रहे हैं, जिसका निर्देशन हनु राघवपुडी कर रहे हैं। इसके अलावा कुछ महीने पहले प्रभास को चोट भी लग गई थी, जिसके कारण शूटिंग और प्रभावित हुई। इन सभी वजहों से द राजा साब की शूटिंग अभी पूरी नहीं हो पाई है।

रश्मिका मंदाना ने बताया थामा के सेट पर कैसा होता है नाइट शूट

रश्मिका मंदाना इन दिनों आयुष्मान खुराना के साथ अपनी आगामी फिल्म थामा की शूटिंग कर रही हैं। एनिमल अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के नाइट शेड्यूल की एक झलक दिखाई। रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें से एक में वह कार में सोती नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने लिखा, नाइट शूट। मुझे नाइट शूट कितना पसंद है। एक अन्य तस्वीर में रश्मिका अपनी वैनिटी में एक ट्रैवल कप पकड़े हुए नजर आ रही हैं, जिस पर लिखा है, थामा नाइट शूट। फिल्म अभिनेता आयुष्मान ने खुलासा किया कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए थामा की शूटिंग कुछ समय के लिए रोक दी गई थी। आयुष्मान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह और उनके क्रू मेंबर्स फोन पर भारत बनाम न्यूजीलैंड मैच देख रहे हैं। भारत के फाइनल जीतने के बाद, अभिनेता और उनकी थामा टीम ने जीत का जश्न मनाया। हालांकि, जश्न के बाद टीम धीरे-धीरे शूटिंग स्थल की ओर बढ़ गई। अभिनेता आयुष्मान ने पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, शूट रुक जाती है जब इंडिया जीत जाता है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के जीतने पर। यह फिल्म खूनी पृष्ठभूमि पर आधारित एक मनोरंजक प्रेम कहानी होने वाली है। आयुष्मान और रश्मिका की मुख्य जोड़ी के साथ इस परियोजना में परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

अदा शर्मा बोली- 'डिजाइनर कपड़े पहनने से कोई सफल नहीं होता है'

अदा शर्मा काफी वर्सटाइल एक्ट्रेस है। वह अब तक अलग-अलग जॉनर की फिल्में कर चुकी हैं। खासकर 'द केरल स्टोरी' में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। इसी फिल्म के दौरान उनका एक्टिंग, डिजाइनर कपड़ों को लेकर नजरिया भी बदला। अदा शर्मा को पिछले कुछ सालों में सोशल मीडिया से लेकर फिल्म इवेंट्स तक में बहुत ग्लैमरस अंदाज में नहीं देखा गया है।हाल ही में अदा शर्मा ने बताया कि उन्हें अहसास हो चुका है कि डिजाइनर ड्रेस पहनकर कोई स्टार नहीं बनता है। हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए गए एक इंटरव्यू में अदा शर्मा बताती हैं कि जब वह फिल्म 'केरल स्टोरी' का प्रमोशन कर रही थी तो अपनी मम्मी की साड़ी पहनकर, इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करती है। क्योंकि कहानी काफी सीरियस थी। फिल्म भी हिट हुई। तब अदा शर्मा को अहसास हुआ कि डिजाइनर कपड़े पहनकर कोई सफल नहीं होता है। तभी उनका नजरिया बदला कि सिर्फ अच्छी एक्टिंग करना ही जरूरी है। आगे अदा शर्मा कहती हैं, ' बहुत सारी ड्रेस, जूतों को मेंटेन करना भी मुश्किल काम है। इसके लिए घर को बंद भी रखना है जिससे धूल-मिट्ट ना आए। लेकिन मुझे नेचर पसंद है, चिड़िया, कबूतर देखना अच्छा लगता है, इसलिए खिड़की खुली रखती हूं।

अक्षय कुमार ने करोड़ों में बेचा अपना मुंबई वाला लग्जरी अपार्टमेंट

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर चर्चा में रहते हैं। एक्टर जल्द ही कई अपकमिंग प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं, जिसको लेकर वह सुर्खियों में रहते हैं। इसी बीच खिलाड़ी कुमार अलग ही चर्चा में गए हैं। खबर है कि एक्टर ने मुंबई में एक करोड़ों की डील की है। अक्षय ने मुंबई के बोरीवली ईस्ट इलाके में अपना एक लग्जरी अपार्टमेंट बेच दिया है।

7 साल पहले खरीदी प्रॉपर्टी से कमाया इतना मुनाफा

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार ने यह अपार्टमेंट 4.35 करोड़ रुपये में बेचा है। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन की वेबसाइट पर इस प्रॉपर्टी से जुड़े रजिस्ट्री पेपर्स के मुताबिक, यह डील इसी महीने मार्च 2025 में हुई है। अक्षय ने जो अपार्टमेंट बेचा है, वह इलाके के स्काई सिटी बिल्डिंग में है, जिसे ओबेरॉय रियल्टी ने बनाया है। यह सोसाइटी 25 एकड़ में फैली हुई है। रिपोर्ट और रजिस्ट्री पेपर्स के अनुसार, अक्षय कुमार के इस अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 1,073 स्क्वायर फीट है। इसके साथ ही एक्टर ने दो कार पार्किंग भी खरीदी थी। एक्टर ने इस लेन-देन के लिए 26.1 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और 30,000 रुपये का रजिस्ट्रेशन फीस चुकाई है। कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार ने यह अपार्टमेंट करीब 7 साल पहले नवंबर 2017 में 2.37 करोड़ रुपये में खरीदा था और अब इसे 4.35 करोड़ रुपये में बेचा है। इस तरह उन्हें इस डील से अक्षय ने 183.54% मुनाफा कमाया है।

वॉर 2 की शूटिंग के दौरान घायल हुए ऋतिक रोशन, पैर में लगी गंभीर चोट

एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस के लिए एक परेशान करने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि ऋतिक अपनी अपकमिंग फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए हैं। घायल होने के कारण फिलहाल शूटिंग को टाल दिया गया है। वहीं, फैंस एक्टर के चोटिल होने के चलते चिंतित हो गए हैं और उनकी रिकवरी की दुआ करते नजर आ रहे हैं।

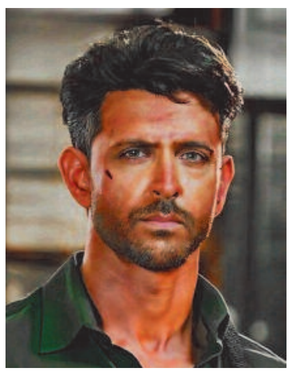

कैसे हुआ हादसा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर एक हाई-एनर्जी डांस नंबर की शूटिंग कर रहे थे, जब उनके साथ ये हादसा हो गया। इस गाने में जबरदस्त स्टंट और डांस मूव्स शामिल थे, लेकिन इसी दौरान ऋतिक के पैर में गंभीर चोट लग गई। उनकी चोट इतनी गहरी थी कि डॉक्टरों ने उन्हें कम से कम चार हफ्ते का पूरी तरह रेस्ट के लिए बोला है।

क्या टल जाएगी फिल्म की शूटिंग

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाकी कलाकारों ने अपने हिस्से की शूटिंग पहले ही पूरी कर ली है और फिल्म अब पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। सूत्रों की मानें तो ऋतिक रोशन की रिकवरी के बाद फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू होगी। बताया जा रहा है कि जिस गाने की शूटिंग के दौरान ऋतिक को चोट लगी, उसे अब मई 2025 में फिर से शूट किया जाएगा। बता दें, फिल्म 'वॉर 2' में ऋतिक के साथ साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। तय शेड्यूल के मुताबिक ये फिल्म 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अदिति शर्मा ने 4 महीने पहले की थी गुपचुप शादी, अब मांग रहीं तलाक?

अदिति शर्मा और उनके कथित पति अभिनीत कौशिक के बीच विवाद बढ़ गया है। अभिनीत ने अदिति पर चोरी-छिपे शादी करने का आरोप लगाया है। कथित तौर पर, उन्होंने गोरेगांव में एक सीक्रेट शादी की थी। जब रिश्ते खराब हुए तो अदिति ने 25 लाख रुपये की मांग की। अब दोनों अलग हो चुके हैं।

खतरों के खिलाड़ी 14 और अपोलीना फेम अदिति शर्मा पर उनके कथित पति अभिनीत कौशिक ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि एक्ट्रेस ने उनसे चोरी-छिपे शादी की है। इंडिया फोरम की रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनीत और उनके लीगल एडवाइजर राकेश शेट्टी की तरफ ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

गजराज राव बोले- ऑन-स्क्रीन परफेक्ट होगी शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी

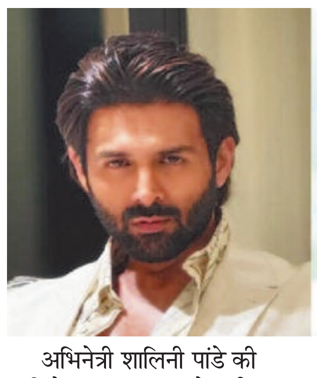

अभिनेत्री शालिनी पांडे की अभिनेता गजराव राव ने तारीफ की। हाल ही में आयोजित आईफा अवॉर्ड्स में गजराज ने कहा कि ऑन-स्क्रीन शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी परफेक्ट होगी। 'अर्जुन रेड्डी', 'महाराज' ओटीटी शो 'डब्बा कार्टेल' समेत अन्य शो में शानदार काम कर छाई शालिनी को गजराज राव ने कार्तिक आर्यन के लिए परफेक्ट ऑन-स्क्रीन जोड़ीदार बताया। गजराज राव ने कहा, मेरे दिमाग में दो नाम आते हैं। पहला है शिवानी रघुवंशी, जिनके साथ मैंने दुपहिया में काम किया और दूसरा है शालिनी पांडे, जिनके साथ मैंने हाल ही में डब्बा कार्टेल नाम की वेब सीरीज की। वो कार्तिक आर्यन के लिए एक बेहतरीन ऑन-स्क्रीन पार्टनर हो सकती हैं। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही 'डब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी और ज्योतिका भी हैं। शो को प्रशंसकों और दर्शकों से सराहना मिल रही है, जिसमें हर कोई राजी के रूप में शालिनी के प्रदर्शन की सराहना कर रहा है।

'अर्जुन रेड्डी', 'जयेशभाई जोरदार', 'महाराज' और हाल ही में रिलीज हुई 'डब्बा कार्टेल' में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को प्रभावित करने वाली शालिनी पांडे ने भारतीय सिनेमा में अपने लिए एक अलग जगह बनाई है। गजराज राव की सिफारिश से अब संभावित उनके और कार्तिक आर्यन के साथ काम करने को लेकर प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। इस बीच, कार्तिक आर्यन ने सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'भूल भुलैया 3' में अपने काम के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष) के लिए आईफा का अवॉर्ड जीता है।

अभिनेता ने 'चंदू चैंपियन' में अपनी भूमिका का जिक्र करते हुए कहा, मेरे पास अभी शब्द नहीं हैं। मैं चंदू नहीं हूं, मैं चैंपियन हूं। मुझे पता है कि यह उस फिल्म के लिए पुरस्कार नहीं है, लेकिन मेरी भावनाएं वैसी ही हैं।

उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि जब उन्होंने पहली बार फ्रैंचाइजी में कदम रखा था, तो उन्हें किस तरह के संदेह का सामना करना पड़ा था, याद करते हुए कि कैसे लोगों ने सवाल किया था कि क्या वह 'भूल भुलैया 2' को अपने कंधों पर उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, शुरू से ही जब मुझे 'भूल भुलैया 2' के लिए कास्ट किया गया था, तो लोगों ने सवाल किया कि क्या मैं यह फिल्म कर सकता हूं, हमें नहीं पता था कि हम सफल होंगे या नहीं।

हंसल मेहता ने किया नए कलाकारों का समर्थन, बोले- हिंदी सिनेमा को रीसेट करने की जरूरत है...

फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने बॉलीवुड के खत्म होने की चर्चाओं पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा है कि अब समय आ गया है कि हम नए कलाकारों पर निवेश करें।

हंसल मेहता आज बॉलीवुड के टॉप फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों में से एक हैं। वह हमेशा से ही इंडस्ट्री से जुड़ी अपनी चिंताओं को लेकर मुखर रहे हैं और एक बार फिर उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने हिसाब से जरूरी मुद्दों को उठाया है। एक्स पर बात करते हुए निर्देशक ने एक लंबी पोस्ट लिखी, जिसमें बताया गया कि बॉलीवुड को कैसे रीसेट करने की जरूरत है। उन्होंने नए जमाने के अभिनेताओं की तारीफ की और निर्माताओं, निर्देशकों से आग्रह किया कि वे अभिनेताओं पर निवेश करें न कि इंडस्ट्री में पहले से मशहूर सितारों पर। इंडस्ट्री को कैसे लोगों की जरूरत

उन्होंने लिखा कि हिंदी सिनेमा को रीसेट की जरूरत है। बॉलीवुड के लिए विनाश की भविष्यवाणी करने वालों के लिए- रुकें। इंडस्ट्री खत्म नहीं हो रही है। यह नाकाम होने का इंतजार कर रहा है। समस्या यह नहीं है कि दर्शकों की रुचि खत्म हो रही है। समस्या यह है कि पैसा सुरक्षित और पहले से तय चीजों में लगाया जा रहा है। हिंदी सिनेमा का भविष्य नई प्रतिभा, बोल्ड कहानी कहने और ऐसे निर्देशकों पर दांव लगाने से बेहतर होगा.

साभार एजेंसी